बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती की अनंत शुभकामनाएं

दैनिक करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली। सोमवार 14 अप्रैल-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 114 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

बुआ मायावती ने दिखाया बड़ा दिल, भतीजे आकाश को किया माफ

लखनऊ। बसपा से निष्कासित किए गए आकाश आनंद द्वारा पार्टी सुप्रीमो मायावती से माफी मांगते के कुछ ही घंटे बाद उन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए उन्हें माफ कर दिया। इस बात की पुष्टि स्वयं बसपा प्रमुख ने अपने ट्विटर हैंडल पर किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, आकाश आनन्द द्वारा एक्स पर आज अपने चार पोस्ट में सार्वजनिक तौर पर अपनी गलतियों को मानने व सीनियर लोगों को पूरा आदर-सम्मान देने के साथ ही अपने ससुर की बातों में आगे नहीं आकर बीएसपी पार्टी व मूवमेन्ट के लिए जीवन समर्पित करने के मद्देनजर इन्हें एक और मौका दिए जाने का निर्णय।

ससुर ने की आकाश का कैरियर बर्बाद करने की कोशिश : वैसे पार्टी से निष्कासन के बाद आकाश अपनी तमाम गलतियों के लिए माफी मांगने व आगे ऐसी गलती नहीं करने को लेकर वह लोगों से लगातार सम्पर्क करता रहा है और आज उसने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलतियों को मानते हुए अपने ससुर की बातों में अब आगे नहीं आने का संकल्प व्यक्त किया है। किन्तु आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गलतियां अक्षम्य हैं। उन्होंने गुटबाजी आदि जैसी घोर पार्टी विरोधी गतिविधियों के साथ-साथ आकाश के कैरियर को भी बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसलिए उनको माफ करने व पार्टी में वापस लेने का सवाल ही नहीं पैदा होता है।

उत्तराधिकारी बनाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता

मायावती ने आगे लिखा, वैसे अभी मैं स्वस्थ्य हूं और जब तक पूरी तरह से स्वस्थ्य रहूंगी, मान्यवर श्री कांशीराम जी की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के लिए पूरे जी-जान व तन्मयता से समर्पित रहकर कार्य करती रहूंगी। ऐसे में मेरे उत्तराधिकारी बनाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। मैं अपने निर्णय पर अटल हूं व रहूंगी।

आकाश ने आज ही मांगी थी माफी : आकाश आनंद ने पार्टी सुप्रीमो और बुआ मायावती से माफी मांगते हुए फिर से पार्टी के लिए कार्य करने की इच्छा जताई थी और कहा कि अब वह अपने नाते रिश्तेदारों की नहीं सुनेंगे। उन्होंने एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूपी की चार बार की मुख्यमंत्री एवं लोकसभा व राज्यसभा की भी कई बार रहीं सांसद मायावती जी को मैं अपने दिल से एकमात्र राजनीतिक गुरु व आदर्श मानता हूं। आज मैं यह प्रण लेता हूं कि बहुजन समाज पार्टी के हित के लिए मैं अपने रिश्ते-नातों को व खासकर अपने ससुराल वालों को कतई भी बाधा नहीं बनने दूंगा।

पूरी इज्जत करूंगा : यही नहीं बल्कि कुछ दिनों पहले किए गए अपने ट्वीट के लिए भी माफी मांगता हूं जिसकी वजह से आदरणीया बहन जी ने मुझे पार्टी से निकाल दिया है और आगे से इस बात को सुनिश्चित करूंगा कि मैं अपने किसी भी राजनीतिक फैसले के लिए किसी भी नाते रिश्तेदार और सलाहकार की कोई सलाह मशविरा नहीं लूंगा और सिर्फ आदरणीय बहन जी के दिए गए दिशा-निर्देशों का ही पालन करूंगा। तथा पार्टी में अपने से बड़ों की व पुराने लोगों की भी पूरी इज्जत करूंगा और उनके अनुभवों से भी काफी कुछ सीखूंगा।

अब गलती नहीं करूंगा : आदरणीया बहन जी से अपील है कि वे मेरी सभी गलतियों को माफ करके मुझे पुनः पार्टी में कार्य करने का मौका दें, इसके लिए मैं सदैव उनका आभारी रहूंगा। साथ ही अब मैं आगे ऐसी कोई भी गलती नहीं करूंगा।

क्या कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बदल लिया है अपनी राजनीति का फेस कुछ ही महीनों में क्रिएट की है उन्होंने अपनी फायर ब्रांड सनातनी इमेज

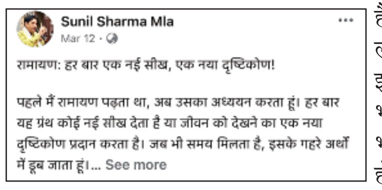
Sunil Sharma Mla
Mar 12 ·

रामायण: हर बार एक नई सीख, एक नया दृष्टिकोण!

पहले मैं रामायण पढ़ता था, अब उसका अध्ययन करता हूं। हर बार यह ग्रंथ कोई नई सीख देता है या जीवन को देखने का एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है। जब भी समय मिलता है, इसके गहरे अर्थों में डूब जाता हूं।... See more

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वैसे तो कहावत है कि जैसा देश-वैसा भेष, लेकिन राजनीति में ये नियम कुछ ज्यादा लागू होता है। देश के मुखिया से लेकर गांव के मुखिया तक इसकी मिसाल दिखाई देती है। देश के मुखिया जिस भी राज्य में जाते हैं, उस राज्य की पारंपरिक वेशभूषा पहनते हैं और उसी राज्य की भाषा बोलती है। ये जनता से जुड़ाव का अपना तरीका है। इसी तरह अगर स्थानीय राजनीति की बात करें तो स्थानीय नेता भी जिस माहौल में जाते हैं, उसी माहौल के अनुरूप बात करते हैं। वो ग्रामीण परिवेश में हैं तो लहजा ग्रामीण होगा और अगर शहरी क्षेत्र में हाईराइज सोसायटी में आरडब्ल्यूए वालों के साथ हैं तो फिर लहजा दूसरा होगा। लहजों की बात चल रही है तो इन दिनों सियासत का लहजा भगवा है। तेजी से भगवा रंग भाजपा की ड्रेस कोड का हिस्सा हो गया है। किसी ने कहा नहीं है, कोई निर्देश नहीं आए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री संयासी हैं तो भगवा रंग पूरी भाजपा सियासत पर है। अगर रंग की बात करें और इमेज की बात करें तो देश की सबसे बड़ी विधानसभा में इसके इफेक्ट दिखाई दे रहे हैं। यहां से सुनील शर्मा विधायक हैं, वो प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और उनकी सोशल मीडिया प्रोफाइल बता रही है कि उन्होंने कुछ महीनों में ही अपनी सनातनी इमेज को क्रिएट किया है। हालांकि वो अध्यात्म से धर्म से पहले से जुड़े हुए हैं। रोजाना मंदिर जाना, पूजा-पाठ करना उनकी दिनचर्या का अहम हिस्सा है, लेकिन जब इस हिस्से में बढ़ोत्तरी हुई है तो फिर किस्से लोगों की जुबान पर हैं। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा कुछ महीनों से राजनीतिक रंग में कम और अध्यात्म के रंग में ज्यादा है। कभी वो कथा व्यास की गद्दी पर विराजमान हो जाते हैं और घंटों प्रवचन सुनाते हैं। कभी वो हाथ में भाला लेकर आते हैं तो कभी गौशाला के फोटो आ जाते हैं। कभी वो विकास से ज्यादा सुरक्षा की बात करते हैं और बांग्लादेश और कश्मीर के उदाहरण देते हैं। उनके समर्थक भी इसी मुहिम में लगे हैं और अब तो 35 साल पुरानी बातें भी निकाली जा रही हैं। 1990 के राम मंदिर आंदोलन का जिक्र हो रहा है। वो खुद बता रहे हैं कि 1990 में राम मंदिर आंदोलन में मुझे सहारनपुर जेल में भेजा गया था और आज मैं वहीं का प्रभारी मंत्री हूं। वो अलग-अलग मुद्राओं में हैं। कभी वो पूजन-अर्चन की मुद्राओं में हैं और कभी वो हाथ में गदा लिये हुए हैं। सरकार के कैबिनेट मंत्री अपनी आध्यात्मिक इमेज को क्रिएट कर रहे हैं।

गाजियाबाद पर बरस रहा है साइकिल वालों का प्यार सीट जीती एक भी नहीं, मगर प्रदेश सचिव हैं चार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद में अगर समाजवादी पार्टी की राजनीति की बात करें तो यहां उसके पास ना तो चुनाव जीतने वाले फेस हैं और ना ही यहां उसका चुनावी रणभूमि के हिसाब से बेस है। समाजवादी पार्टी के चुनावी ट्रैक की बात करें तो वर्ष 2004 में वो केवल विधानसभा का उपचुनाव जीत पाई है, वो भी तब जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी। तब यहां समाजवादी पार्टी ने पूर्व विधायक सुरेंद्र मुन्नी को उपचुनाव लड़ाया था। उन्होंने कांग्रेस के सतीश त्यागी को इस चुनाव में हराया था और भाजपा उम्मीदवार सुनीता दयाल तीसरे नंबर पर रही थीं और बसपा के मनीष पंडित चौथे स्थान पर आए थे। उसके बाद समाजवादी पार्टी यहां रनरअप तो रही लेकिन वो चुनाव नहीं तीज पाई।

मेयर चुनाव में अंजुला नागपाल यहां दूसरे स्थान पर रहीं। मेयर चुनाव में ही सुधन रावत सपा उम्मीदवार के रूप में दूसरे स्थान पर रहे और समाजवादी पार्टी चुनावी रण से धीरे-धीरे दूर हो गई। अब बात उसी समाजवादी के संगठन ढांचे की। यहां समाजवादी पार्टी के अध्यक्षों की बात करें तो साजिद हुसैन यहां जिलाध्यक्ष रहे हैं। आज उनके बेटे फैसल हुसैन जिलाध्यक्ष हैं, लेकिन इस लंबे अंतराल में समाजवादी पार्टी ने कई अध्यक्ष देखें हैं। यहां धर्मवीर डबास अध्यक्ष रहे, संजय यादव अध्यक्ष रहे, प्रहलाद शर्मा अध्यक्ष रहे, राशिद मलिक अध्यक्ष रहे, औलाद अली भी अध्यक्ष रहे, लेकिन इन सभी अध्यक्षों के लिये साइकिल की जीत एक सपना ही रही।

समाजवादी पार्टी की सरकार में थी और समाजवादी पार्टी जब विपक्ष में है तब भी यहां प्रदेश सचिव पद बहार रही है। गाजियाबाद पर विशेष रूप से ये प्यार बरसता है। नगर निगम वाले मोहल्लों से लेकर लोकसाभा तक समाजवादी कहीं नहीं है, लेकिन उसी शहर में समाजवादी पार्टी ने एक नहीं दो नहीं बल्कि चार-चार प्रदेश सचिव बनाए हैं। संगठन की बात करें तो प्रदेश सचिव होना एक बड़ी उपलब्धि होती है। प्रदेश सचिव का मतलब एक कामयाब ट्रैक रिकॉर्ड होता है, लेकिन क्यों ये आवाज अब साइकिल वालों के यहां से ही उठ रही है कि अब समाजवादी पार्टी में प्रदेश सचिव होने के लिये लंबी परीक्षा की जरूरत नहीं है। अकेले गाजियाबाद में ही चार प्रदेश सचिव हैं। यहां से पार्टी ने धर्मवीर डबास को प्रदेश सचिव बनाया है, कालूराम धामा को प्रदेश सचिव बनाया है, अभिषेक गर्ग प्रदेश सचिव हैं और सुना है कि अब चौथा प्रदेश सचिव भी आ गया है। इस तरह से सपा ने उस जिले में चार प्रदेश सचिव बनाए हैं जिस जिले में उसके चार जिला पंचायत सदस्य नहीं हैं। नगर निगम में चार पार्षद नहीं हैं। नगर पालिका में चार सभासद नहीं हैं, लेकिन उस शहर में, उस जिले में चार प्रदेश सचिव रहते हैं।

राष्ट्रीय पदाधिकारी भी रहते हैं इसी गाजियाबाद में

समाजवादी पार्टी यहां सदस्यता अभियान चलाती है तो यहां सदस्य नहीं मिलते। वोट मांगने जाती है तो वोट नहीं मिलते, लेकिन यहां पदाधिकारी राष्ट्र से लेकर प्रदेश स्तर तक के मिलते हैं। साइकिल वालों के चार्ट पर अगर गौर करें तो गाजियाबाद में समाजवादी पार्टी के मोर्चे प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय पदाधिकारी भी रहते हैं। कार्यकारियणी वालों की तो गिनती नहीं है। साइकिल वाले ही बता रहे हैं कि यहां तक आने के लिये उपलब्धि होना कोई बड़ी बात नहीं है और वो तो धीरे से ये भी कह रहे हैं कि अगर इन पदाधिकारियों का ट्रैक रिकॉर्ड ही खंगाल लिया जाए तो पता चल जाएगा कि सपा यहां वार्ड में भी क्यों पीछे है। जब चुनावी सड़क पर साइकिल दौड़ाने की बात आती है तो उस वक्त क्यों अचानक से समाजवादी साइकिल की चेन उतर जाती है।

मुझे इस बात का बड़ा गिला है कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अटलजी के नाम पर नहीं दिखाया कोई उत्साह : बालेश्वर त्यागी

"गाजियाबाद से अटल बिहारी वाजपेयी जी का गहरा संबंध है। गाजियाबाद के कई सौ कार्यकर्ताओं से उनके सीधे संबंध थे। गाजियाबाद के अनेक कार्यकर्ताओं को ये विशेषाधिकार प्राप्त था कि जब चाहें वे उनसे मिल सकते थे। उन्होंने गाजियाबाद के कई कार्यकर्ताओं की ग्रूमिंग की थी। जब घंटाघर पर धरना दे रहे गाजियाबाद के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीटा और गिरफ्तार करके जेल भेज दिया तब अटल जी स्वय बस भर कर दिल्ली के कार्यकर्ताओं के साथ घंटाघर पर आकर धरने पर बैठ गए थे।

"मैं भाजपा के कार्यकर्ताओं को कहना चाहता हूं कि आज भाजपा जिस शिखर पर है उसकी नीव में अटलबिहारी वाजपेयी जी का खून पसीना लगा है। अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से भाजपा और उसका कार्यकर्ता गौरवान्वित होता है। जब देश भारत रत्न भारत के तीन बार प्रधानमंत्री रहे श्री अटलाबिहारी वाजपेयी की जन्म शती मना रहा है तब उनके नाम पर गाजियाबाद में विकसित की जा रही कालौनी का नाम अटल नगर होना आवश्यक है। सभी कार्यकर्ता इस सुझाव को आगे बढ़ाएं।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुझे इस बात का बड़ा गिला है कि मेरे इस प्रस्ताव पर कि गाजियाबाद में बसने वाले नए शहर का नाम भाजपा के शीर्ष पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जाय, भाजपा के कार्यकर्ताओं ने समर्थन नहीं किया। मैंने क्षेत्र के माननीय सांसद व विधायकों को पत्र लिख कर इस प्रस्ताव का समर्थन करने का अनुरोध किया। उनमें से सांसद जी अतुल गर्ग जी का तो समाचार पत्र में पढ़ने को मिला कि उन्होंने मेरे अनुरोध को अपने पत्र द्वारा आगे बढ़ाने का काम किया है। लेकिन माननीय विधायक गण का क्या मत था, उसका ज्ञान नहीं हो सका।

मुझे पूरा भरोसा था कि अगर ये प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में आएगा तो वह निश्चय ही इसे स्वीकार करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करेंगे। इसी विश्वास के कारण मैंने उनके पोर्टल पर सुझाव के कॉलम में इस आशय का अनुरोध माननीय मुख्यमंत्री जी को भेजा। मुझे लगता था कि इस प्रस्ताव को जरूर मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाया जाएगा। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा करने के बजाय इस पोर्टल को देखने वाले अधिकारी ने मेरे सुझाव को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को भेज दिया। प्राधिकरण के अधिकारी ने बिना किसी देरी के उस सुझाव पर कोई कार्यवाही करने के बजाय मुझे सूचित किया कि ये शिकायत नहीं है, सुझाव है इसलिए इसे निस्तारित किया जाता है। जिसने भी मुझे ये सूचना दी उसने इतनी भी जहमत भी नहीं उठाई कि उस पोर्टल पर सुझाव भी भेजने की व्यवस्था है। और इसको सुझाव रूप में ही माननीय मुख्यमंत्री जी को भेजा गया था। इस पर भी अधिकारी ने उसे निस्तारित कर दिया। उसने इतनी भी शिष्टता निभाने की औपचारिकता भी नहीं बरती कि ये मुख्यमंत्री जी के यहां से आया है और पूर्व मंत्री ने भेजा है, इसे इतना ही कह दें कि आपके सुझाव पर सहानुभूतिपूर्व विचार करेंगे।

पूरे देश भर में भाजपा का स्थापना दिवस मनाया गया है। इस अवसर पर प्रदर्शनियां लगाई गई हैं जिसमें संघर्ष से लेकर सत्ता तक की गाथा से अवगत कराया गया है। क्या भाजपा के कार्यकर्ता इससे इंकार कर सकते हैं कि वैसे तो जनसंघ से लेकर 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी जी के बिना जनसंघ की कहानी पूरी नहीं हो सकती है? लेकिन भाजपा की स्थापना से लेकर 2004 तक तो अटल बिहारी वाजपेयी के बिना कहानी प्रारंभ ही नहीं होती है। मैंने ये भी पढ़ा है कि अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्मशती वर्ष में उन कार्यकर्ताओं को ढूंढ कर सम्मानित किया जाएगा जिनके पास अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृतियां हैं। लेकिन क्या अटल बिहारी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को इस योग्य नहीं समझा गया कि उनके नाम पर गाजियाबाद में किसी नगर का नामकरण हो??

गाजियाबाद में अनेक बड़े लोगों के नाम पर नगरों के नाम रखने की परम्परा है। इसमें कांग्रेस से जुड़े तो बहुत से बड़े लोगों से कॉलोनियां बसाई गई हैं लेकिन उससे भी भिन्न अन्य बड़े लोगों के नाम से नगर बने हैं। आज जब भाजपा सत्ता में है तो क्या हमारे शीर्ष नेता अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर नया नगर बसाने में क्या बुरा है? क्या अटल जी को इस योग्य नहीं समझा जा रहा कि उनके नाम पर कोई नगर बसाया जाय??

गाजियाबाद से अटल बिहारी वाजपेयी जी का गहरा संबंध है। गाजियाबाद के कई सौ कार्यकर्ताओं से उनके सीधे संबंध थे। गाजियाबाद के अनेक कार्यकर्ताओं को ये विशेषाधिकार प्राप्त था कि जब चाहें वे उनसे मिल सकते थे। उन्होंने गाजियाबाद के कई कार्यकर्ताओं की ग्रूमिंग की थी। जब घंटाघर पर धरना दे रहे गाजियाबाद के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पीटा और गिरफ्तार करके जेल भेज दिया तब अटल जी स्वयं बस भर कर दिल्ली के कार्यकर्ताओं के साथ घंटाघर पर आकर धरने पर बैठ गए थे। जब देवली और साधोंपुर में जातीय संघर्ष में अनेक लोग मारे गए तब अटल जी ने देवली से साधों पर की पदयात्रा के लिए दिल्ली से फिरोजाबाद के लिए कालका मेल से प्रस्थान किया तो उन्होंने पहला पड़ाव गाजियाबाद को बनाया और अपनी यात्रा का संदेश देशभर के कार्यकर्ताओं को देने के लिए गाजियाबाद के कार्यकर्ताओं को चुना। नगर पालिका से लेकर लोकसभा और विधानसभा चुनाव तक कोई चुनाव अटल जी की जनसभा के बिना सम्पन्न नहीं होता था। 1970 में जनसंघ की प्रतिनिधि सभा का राष्ट्रीय सम्मेलन गाजियाबाद में हुआ तब अटल बिहारी वाजपेयी जी ने अपना आवास श्री भगवान दास जाटव के आवास को बनाकर देश भर में एक संदेश दिया। क्या गाजियाबाद में किसी नए नगर का नाम अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से रखने में कुछ भी गलत है? इंदिरा नगर, नेहरू नगर, संजय नगर, राजीव कालोनी, कमला नेहरू नगर, जवाहरनगर के अतिरिक्त गोविंदपुरम, शास्त्री नगर, लाजपतनगर, लोहिया नगर जैसे कई नगर पहले से बसे हुए हैं। हम किसी नगर का नाम बदलने की मांग नहीं कर रहे, बल्कि नए बसाए जा रहे नगर का नाम अटल नगर रखने का अनुरोध कर रहे हैं।

मैं भाजपा के कार्यकर्ताओं को कहना चाहता हूं कि आज भाजपा जिस शिखर पर है उसकी नींव में अटलबिहारी वाजपेयी जी का खून-पसीना लगा है।

अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम से भाजपा और उसका कार्यकर्ता गौरवान्वित होता है। जब देश भारत रत्न भारत के तीन बार प्रधानमंत्री रहे श्री अटलाबिहारी वाजपेयी की जन्म शती मना रहा है तब उनके नाम पर गाजियाबाद में विकसित की जा रही कालोनी का नाम अटल नगर होना आवश्यक है। सभी कार्यकर्ता इस सुझाव को आगे बढ़ाएं। अधिकारियों के निर्णय के विरोध में भी अपने मन की बात कहें। हमें अटल जी ने सही बात कहने और उसके लिए आग्रह करने और उसके लिए संघर्ष करने की सीख भी थी।

वक्फ पर भड़काई जा रही है हिंसा: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि जब से वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तभी से इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है। रविवार को यहां राज्य की राजधानी लखनऊ में भागीदारी भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान की प्रदेश कार्यशाला की शुरूआत करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, आश्चर्य होता है कि यह वही देश है जिसमें वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीन कब्जा ली गयी है। उनके (कब्जा करने वालों के) पास कोई कागज नहीं, कोई राजस्व का रिकॉर्ड नहीं है और जब से (वक्फ) संशोधन विधेयक पारित हुआ और कार्रवाई हो रही है तो इसके लिए हिंसा भड़काई जा रही है। योगी ने कहा, पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद में तीन हिंदुओं की उनके घरों से खींचकर हत्या कर दी गयी। ये सब कौन हैं, ये वही दलित, वंचित और गरीब हैं जिसको इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है। पिछले सप्ताह संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम मंगलवार से लागू हो गया।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया, वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल 2025 से उक्त अधिनियम के प्रावधान लागू किए हैं। लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन अप्रैल और चार अप्रैल की मध्य रात्रि के बाद वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को इसे अपनी मंजूरी दे दी थी। वक्फ (संशोधन) विधेयक आने के बाद से ही तमाम मुस्लिम संगठन समेत विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती से एक दिन पहले उनकी याद में शुरू किए गए अभियान की विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "जब तक हम सही तथ्य जनता जनार्दन के सामने नहीं रखेंगे तो जो लोग गुमराह करके अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करते रहेंगे और वे लोग इसी प्रकार गुमराह करके, देश में अव्यवस्था पैदा करके दलितों, वंचितों का शोषण करते रहेंगे।

उन्होंने कहा, "वे दलितों, गरीबों और वंचितों को उनके अधिकारों से वंचित करते रहेंगे। इसलिए कार्ययोजना के साथ भाजपा की कार्यशाला यहां आयोजित हो रही है। योगी ने कहा, बाबा साहेब आंबेडकर की जहां कहीं भी प्रतिमा है, उनके नाम पर पार्क है, वहां आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और सरकार के अधिकारीगण स्वच्छता के विशेष कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं। कांग्रेस पर आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, पहले उन्होंने (जाहिर तौर पर कांग्रेस की ओर इशारा करते हुए) बाबासाहेब आंबेडकर को चुनाव हारने पर मजबूर किया। उनके महापरिनिर्वाण के बाद, उन्होंने दिल्ली में उनका अंतिम संस्कार नहीं होने दिया। कांग्रेस ने उनका स्मारक भी नहीं बनने दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, "पुस्तक में इस बात का जिक्र है कि बाबा साहेब आंबेडकर ने कहा था कि हमारा आदि और अंत एक भारतीय के रूप में रहेगा और दूसरी तरफ योगेन्द्र नाथ मंडल जिन्होंने पाकिस्तान का समर्थन किया और एक वर्ष भी पाकिस्तान में नहीं रह पाये, उस मंडल के कृत्यों की सजा आज भी बांग्लादेश का हिंदू भुगत रहा है।"

भारत-पाकिस्तान बंटवारे के समय योगेन्द्र नाथ मंडल ने मोहम्मद अली जिन्ना का साथ देते हुए पाकिस्तान जाना पसंद किया और वहां की सरकार में पहले कानून मंत्री बने लेकिन कुछ ही वर्षों बाद पाकिस्तान के रवैये से क्षुब्ध होकर वह अपने पद से इस्तीफा देकर भारत लौट आये थे। योगी ने कहा, "आप सब जानते हैं कि बांग्लादेश में जो भी हिंदू हैं, वे सभी दलित हैं और उन पर वहां किस तरह का अत्याचार हो रहा है। इस संबंध में कांग्रेस, न समाजवादी पार्टी और न ममता बनर्जी किसी ने भी उनके पक्ष में आवाज नहीं उठायी। उनके पक्ष में सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ने आवाज उठायी।

कांग्रेस ने 1976 में संविधान किया था संशोधित

मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने 1976 में संविधान में संशोधन किया और एक ऐसा शब्द जोड़ा, जिसके खिलाफ बाबासाहेब ने खुद तर्क दिए थे।" आंबेडकर ने छह दिसंबर 1956 को दिल्ली में अपने घर में अंतिम सांस ली थी और उनका अंतिम संस्कार बौद्ध परंपराओं के अनुसार किया गया था। उनका अंतिम संस्कार महाराष्ट्र के मुंबई शहर में चैत्य भूमि पर हुआ था। मौजूदा केंद्र सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले 10 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शासन की योजना का लाभ हर वंचित, हर दलित, हर गरीब, हर महिला, हर अन्नदाता किसान को पहुंचाने का काम भाजपा की सरकारों ने किया।" योगी आदित्यनाथ ने तीन वर्ष पहले राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक बृजलाल द्वारा लिखी एक पुस्तक का हवाला देते हुए कहा कि उस पुस्तक में उन्होंने दो दलित महान योद्धाओं की चर्चा की।

पूर्व मंत्री के घर पर ग्रेनेड से हमला करने वाला गिरफ्तार

अमरोहा। पंजाब भाजपा के पूर्व प्रधान मनोरंजन कालिया के घर पर ग्रेनेड हमला करने के आरोपी को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के अमरोहा के सैदुल अमीन के रूप में हुई है। पंजाब पुलिस के इनपुट पर केंद्रीय एजेंसियों और दिल्ली पुलिस की टीमों ने उसे धर दबोचा।

पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव व सीपी धनप्रीत कौर ने शनिवार को जालंधर में पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। केंद्रीय एजेंसियों द्वारा हिरासत में लिया गया आरोपी इस केस की मुख्य कड़ी है, जिसके लिंक आतंकियों से मिले हैं। कुछ डिजिटल डिवाइस भी केंद्रीय एजेंसी ने कब्जे में लिए हैं।

डीजीपी यादव ने बताया कि वारदात वाले दिन ही चंद घंटों में जालंधर पुलिस की टीम ने वारदात में इस्तेमाल ई-रिक्शा को बरामद कर लिया था। मौके से सीसीटीवी फुटेज व टेक्निकल सबूत मिले थे। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों, राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली पुलिस के साथ तालमेल किया गया।

बाद में यूपी में भी जांच की गई। इस दौरान फंडिंग करने वाला कुरुक्षेत्र निवासी अमितोज हत्थे चढ़ा। इसके बाद इनपुट मिले कि मुख्यारोपी सैदुल अमीन है। शनिवार को यूपी, दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन के तहत सैदुल अमीन को गिरफ्तार कर लिया।

हमलावरों को बचा रही सरकार : सपा सांसद

रामजीलाल सुमन ने कहा, राणा सांगा पर जो कहा वह किताबों में दर्ज...

रक्त स्वाभिमान रैली के दौरान सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। कहा कि उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। घर पर हमला करने के आरोपियों को थाने से छोड़ दिया गया।

आगरा। मेरे घर कातिलाना हमला हुआ। परिवार को मारने की कोशिश की गई। उस दिन मुख्यमंत्री भी शहर में थे। घटना के बाद एफआईआर हुई। थाने में आरोपी थे, उन्हें छोड़ दिया गया। मैं मानता हूं कि हमलावरों को बचाने में मुख्यमंत्री कार्यालय शामिल था। यह आरोप है समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन का।

सपा राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन ने शनिवार को कहा कि 26 मार्च को हुए हमले के बाद मेरी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हुए। जिस तरह से बुलडोजर लेकर हमलावर में घर तक पहुंचे। प्रशासनिक तंत्र फेल रहा। उन लोगों ने विरोध को जो हिंसात्मक तरीका अपनाया था। उसकी इजाजत संविधान नहीं देता। ऐसा तरीका सिर्फ जंगल राज में होता है।

सपा सांसद ने कहा कि राज्यसभा में 21 मार्च को गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान जो बात मैंने कही। उसे सभापति ने सदन की कार्यवाही से निकाल दिया। उपराष्ट्रपति हमारे संरक्षक हैं। मैंने उन्हें बताया था कि मुझे धमकियां मिल रही हैं। फिर भी सुरक्षा पर सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसलिए मुझे हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। सुमन ने कहा कि मैं 55 वर्ष की राजनीति में हूं। कभी किसी की जाति या धर्म नहीं पूछा। सिर्फ मुद्दों की राजनीति करता हूं। चाहता हूं कि सभी जाति व धर्मों में आपसी भाईचारा व सद्भाव बना रहे। मैंने राणा सांगा को लेकर जो बात कही थी, वो इतिहासकार सतीश चंद्रा की किताब में दर्ज है। भारत सरकार ने एक टीवी सीरियल बनवाया था भारत एक खोज। उसमें भी इस बात का जिक्र था। इससे ज्यादा प्रामाणिक बात तो कोई दूसरी नहीं हो सकती।

क्यों हो गया बागपत के 150 गांवों में अंधेरा

लाखों लोगों को ना बिजली मिली ना ही पानी

आंधी और बारिश के कारण जिले के 35 खंभे टूट गए। बिजली व्यवस्था एकदम धड़ाम हो गई। हालांकि विद्युत विभाग की टीम लगातार तारों को दुरुस्त करने में जुटी रही।

बागपत। शुक्रवार शाम आंधी से ध्वस्त हुई बिजली आपूर्ति व्यवस्था दूसरे दिन शनिवार को भी ठप रही। बिजली नहीं मिलने से करीब 150 गांव रातभर अंधेरे में डूबे रहे तो दिन में पेयजल संकट गहरा गया। कहीं 12 घंटे तो कहीं 24 घंटे बिजली आपूर्ति ठप रहने से लाखों लोग परेशान रहे।

बागपत में आंधी से तीन दर्जन विद्युत उप केंद्रों व 200 फीडरों की लाइनें ब्रेकडाउन में रहीं। बागपत समेत ग्रामीण क्षेत्रों में 35 खंभे टूट गए तो जगह-जगह लाइनों के तार टूट गए। हालांकि, आंधी और बरसात बंद होने के बाद ऊर्जा निगम की टीम शुक्रवार को रातभर तथा शनिवार को दिनभर ब्रेकडाउन अटेंड करने में जुटी रही। काफी गांवों में सुबह तक बिजली आपूर्ति बहाल हो गई तो कुछ गांवों में शनिवार शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी।

खेकड़ा कस्बे में डूंडाहेड़ा के पास लाइन में फाल्ट आने से छह घंटे बिजली आपूर्ति ठप रही। एसडीओ पवन कुमार ने बताया कि करीब 11 बजे फाल्ट दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल कराई। वहीं खेकड़ा के पास हाईटेंशन लाइन में फाल्ट आने से रटौल तथा फिरोजपुर विद्युत उपकेंद्रों को बिजली नहीं मिली। इससे 30 गांवों में करीब 20 घंटे बिजली ठप रहने से हजारों ग्रामीणों को परेशानी हुई।

दाहा क्षेत्र के 220 केवीए क्षमता के कान्हड़ विद्युत केंद्र व 33 केवीए क्षमता के छह विद्युत उपकेंद्रों पर ब्रेकडाउन रहा। इससे 30 गांवों में 20 घंटे बिजली आपूर्ति ठप रहने से गांवों में जन जीवन अस्त-व्यस्त हो कर रह गया। हालांकि बाद में बिजली आपूर्ति मिलने से लोगों को राहत की सांस मिली।

जयपुर में भीषण सड़क हादसा, दादा-दादी, बेटा-बहू सहित 5 लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर ओवरटेक के चक्कर में भीषण सड़क हादसा हो गया। जयपुर के जमवारामगढ़ क्षेत्र में ट्रेलर-कार की आमने-सामने की भिड़ंत में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 6 महीने की बच्ची भी शामिल है।

हादसा रविवार सुबह 8 बजे जमवारामगढ़ के रायसर थाना क्षेत्र में मनोहरपुर-दौसा हाईवे पर हुआ है। तेज रफ्तार कार ने जैसे ही ओवरटेक किया तो सामने से आ रहे ट्रेलर में जा घुसी। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई और कार सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही एडिनशल एसपी जयपुर ग्रामीण मुख्यालय रजनीश पूनिया, जमवारामगढ़ एसडीएम ललित मीणा व रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को कार से बाहर निकाला और नीम्स अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। उत्तर प्रदेश के रहने वाले लोग सीकर जिले में स्थित खाटू श्यामजी मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे। कार में दादा-दादी अपने बेटे-बहू और पोती के साथ सवार थे।

बताया जा रहा है कि परिवार अक्सर इसी सड़क मार्ग से खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जाते थे। हादसे में मरने वाले सभी एक ही परिवार के है और उत्तर प्रदेश रहने वाले थे। मृतकों की पहचान अभिषेक वर्मा पुत्र सत्यप्रकाश उम्र 33, प्रियंसी पत्नी अभिषेक 30, सत्यप्रकाश पुत्र गुरूप्रसाद उम्र 60, रामादेवी पत्नी सत्यप्रकाश उम्र 55 और प्रियंसी की 6 महीने की बच्ची निवासी ठाकुर गंज वाली गली लखनऊ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। कार से टकराने के बाद ट्रेलर पलटकर 20 फीट गहरी खाई में जा गिरा।

दोस्ती आगे नहीं बढ़ाना चाहती थी किशोरी

युवक ने मारा चाकू इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट के किब्री प्लेस में छह अप्रैल की देर रात एक युवक ने चाकू से हमला कर युवती को घायल कर दिया। इलाज के दौरान उसने डीडीयू अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवक ने युवती पर हमला करने के बाद पेट में चाकू मारकर खुद को भी घायल कर लिया था। पुलिस ने हत्या का धारा जोड़कर आरोपी अमित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने बताया कि युवती दूसरे लड़कों से बातचीत करती थी इसलिए उसने घटना को अंजाम दिया।

दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 6 अप्रैल की रात 9.30 बजे पुलिस को किब्री प्लेस में युवती को चाकू मारे जाने के बाद युवक के खुद को घायल करने की जानकारी मिली। पुलिस ने दोनों को डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया। जांच में पता चला कि युवती 17 साल की है और युवक की पहचान अमित (20) के रूप में हुई। घायल युवती ने बताया कि वह परिवार के साथ ओल्ड नांगल में रहती है। वह अमित को पिछले एक साल से जानती थी। दोनों एक साड़ी की दुकान में काम करते थे।

अब वह अमित से दोस्ती आगे नहीं बढ़ाना चाहती थी।

फैशन डिजानइर विक्की की फैक्टरी में पहुंचे राहुल गांधी, व्यापार में आ रही परेशानियों के बारे में पूछा

नारनौल। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नारनौल के फैशन डिजाइनर विक्की सैनी की फैक्टरी में पहुंचे। विक्की सैनी ने 2016-17 में दिल्ली के हौज खास के पास शाहपुर जाट में फैक्टरी लगाई थी। जिसमें करीब 40 कारीगर कार्य भी कर रहे हैं। अब उनकी फैक्टरी में पांच अप्रैल को राहुल गांधी ने पहुंच कर अनेक मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि राहुल गांधी ओबीसी वर्ग से जुड़े ऐसे व्यापारियों को लेकर सर्वे कर रहे हैं, जिन्होंने जीरो से अपना कारोबार शुरू किया है।

इस दौरान राहुल गांधी ने विक्की सैनी से पूछा कि ओबीसी के कितने लोग इस फील्ड में हैं। साथ ही इस कार्य में क्या-क्या परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां तक राहुल गांधी ने कपड़े की कटिंग भी की। जिसका अब उन्होंने वीडियो जारी किया है। राहुल गांधी ने पूछा कि आप ने काम कहां से शुरू किया? विक्की सैनी ने कहा कि उसने जीरो लेवल से कार्य शुरू किया। उसने टीवी पर देखकर फैशन डिजाइनिंग में आने की सोची। राहुल गांधी ने पूछा कि आपका मिशन क्या है तो विक्की ने कहा कि उसे मिडिल क्लास से हायर बनना है।

जो कार्य कर रहा उसकी नहीं मिल रही वैल्यू : राहुल गांधी ने कहा कि जो कार्य कर रहा है उसे वैल्यू नहीं मिल रही है और बिचौलिया पहले लाभ उठा रहा है। इस नेटवर्क में जिसकी पहुंच है वह सारा फायदा उठा रहे हैं। आपका 20 हजार में बिकेगा, वहीं दूसरा पांच लाख में बेच रहा है। हुनर में फर्क नहीं है, लेकिन सारा प्रॉफिट कोई ओर उठा रहा है।

लोगों का काम बिना पहुंच के बने, ऐसा हो सिस्टम : राहुल गांधी ने कहा कि बिना पहुंच के देश में कोई काम नहीं होता। जिसकी वजह से व्यापारी को पूरा लाभ नहीं मिल पाता है।

एंटीबायोटिक दवाओं का तर्कहीन उपयोग बढ़ा रहा समस्या

दवाओं का असर होता है कम, शरीर को कमजोर कर देता रोग

नई दिल्ली। एंटीबायोटिक दवाओं का तर्कहीन उपयोग मरीजों की समस्याएं बढ़ा रहा है। इसके कारण बढ़ता रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) एक मूक महामारी बन गया है। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली में विशेषज्ञों ने राउंड टेबल बैठक की। विशेषज्ञों ने कहा कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध तब होता है जब संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया, वायरस, कवक या परजीवी, दवाओं के प्रतिरोधक हो जाते हैं और दवाएं असर नहीं करतीं।

बैठक में एनसीडीसी में बैक्टीरियल रोग एवं औषधि प्रतिरोध व एएमआर रोकथाम केंद्र की अतिरिक्त निदेशक और प्रमुख डॉ. लता कपूर ने कहा कि देश में एएमआर के संकट पर तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। यह मूक महामारी बन गया है। आईसीयू और आपातकालीन सेटअप में एंटीबायोटिक दवाओं का तर्कहीन उपयोग चिंताजनक है। यह अक्सर निदान में देरी और अनुभव के अभाव में होता है।

पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण आवश्यक : इसकी रोकथाम के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण आवश्यक है। एएमआर रोकथाम रणनीतियों में एकीकृत किया जाना चाहिए। सरकार नैदानिक प्रबंधन और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य सेवा उद्योग, निजी प्रयोगशालाओं और चिकित्सकों के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर यदि पर्ची पर दवा लिखते समय इसका विशेष ध्यान दें तो समस्या को रोका जा सकता है।

दवाएं वायरल इंफेक्शन पर कारगर नहीं : वहीं, डॉ. राजीव गौतम ने कहा कि एएमआर की रोकथाम के लिए एक जांच उपलब्ध है। इस जांच में मधुमेह की तरह कुछ सेकेंड में पता चल जाएगा कि मरीज को एंटीबायोटिक्स दवाएं देने की जरूरत है या नहीं। यह दवाएं वायरल इंफेक्शन पर कारगर नहीं हैं, लेकिन अनुभव के अभाव में डॉक्टर इन्हें लिख देते हैं। बेवजह इनका इस्तेमाल दवाओं के असर को खत्म कर देता है।

एंटीबायोटिक दवाएं ही असर नहीं कर रहीं : वहीं, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के डॉ. विकास मनचंदा ने कहा कि लोकनायक अस्पताल में इलाज करवाने आ रहे बच्चों में देखा गया है कि उन्हें वायरल फीवर में भी एंटीबायोटिक दवाएं दी गईं। इस गलत प्रक्रिया के कारण अब उनमें एंटीबायोटिक दवाएं ही असर नहीं कर रहीं। उन्होंने कहा कि वायरल के 95 फीसदी से अधिक मामलों में एंटीबायोटिक के इस्तेमाल की कोई जरूरत नहीं होती। ऐसे में दवाओं को लिखने से पहले रोग की पकड़ जरूरी है।

बदमाशों ने लूटपाट की तीन वारदातों को दिया अंजाम, हवलदार समेत पांच लोगों को मारा चाकू

नई दिल्ली। आदर्श नगर इलाके में बृहस्पतिवार को दो घंटे के भीतर बदमाशों ने लूटपाट की तीन वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान विरोध करने और पकड़ने का प्रयास करने वाले दिल्ली पुलिस के हवलदार समेत पांच लोगों को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने तकनीकी जांच कर एक नाबालिग समेत दो बदमाशों को पकड़ लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गए दो मोबाइल, एक लैपटॉप और 41 हजार रुपये बरामद किए हैं। बालिग बदमाश की पहचान यूपी के देवरिया के गांव बहिहार बगेल निवासी सूरज के रूप में हुई। वह दिल्ली में आदर्श नगर में रहता है। उत्तर पश्चिम जिला उपायुक्त भीष्म सिंह के मुताबिक, बृहस्पतिवार तड़के चार बजे आदर्श नगर निवासी सोनू अपने चाचा ओम प्रकाश के साथ आजादपुर मंडी जा रहा था, तभी स्कूटी सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोका और चाकू मारने की धमकी देकर मोबाइल, 50 हजार और दस्तावेज छीन लिए। विरोध करने पर बदमाश ने सोनू के सीने में चाकू मार दिया। पुलिस इस मामले की जांच कर ही रही थी कि तभी आजादपुर फ्लाईओवर के पास पिकअप वैन चालक मुकेश के साथ लूटपाट की सूचना मिली।

विरोध करने पर बदमाशों ने उसे चाकू मार दिया। कैब चालक अभिषेक पांडे और ड्यूटी से घर जा रहे रणजीत नगर थाने में तैनात हवलदार जय भगवान ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की, तो बदमाश दोनों पर चाकू से हमला कर भाग गए। इसके बाद बदमाशों ने रामलीला पार्क के पास यूट्यूब क्रिएटर चिन्मय से लूटपाट की और विरोध करने पर दाहिनी जांघ में चाकू मार दिया। ताबड़तोड़ वारदात होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया और तुरंत एक टीम गठित कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। सोमवार 14 अप्रैल -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

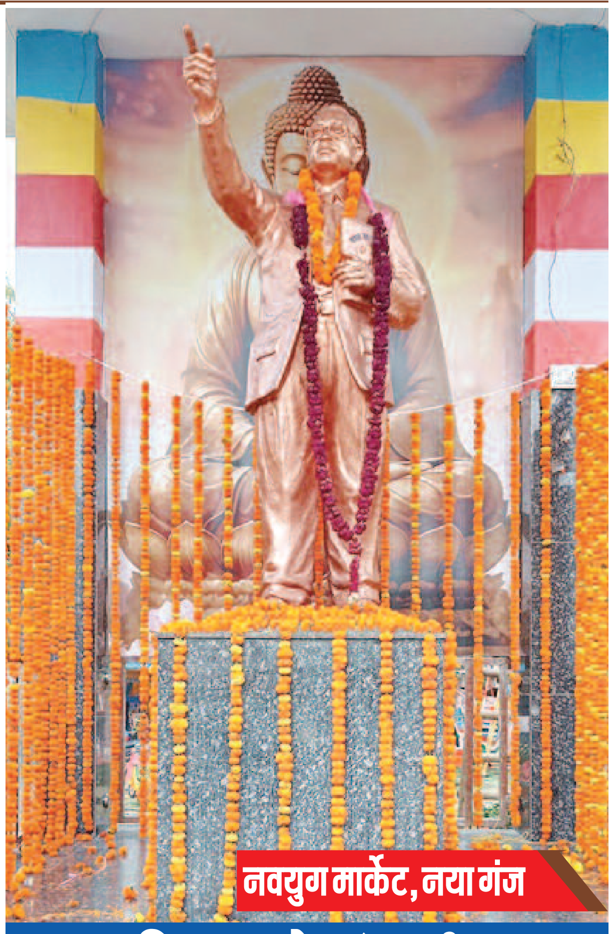
नवयुग मार्केट, नया गंज

उद्यान विभाग ने संभाली कमान

आज शहर में रहेगी अंबेडकर जयंती की धूम, निगम ने पुख्ता किए इंतजाम

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशन में 86 पार्कों में महापुरुषों की प्रतिमाओं को किया गया सुसज्जित

शहर में आयोजित अंबेडकर जयंती कार्यक्रमों में प्रबल मॉनिटरिंग बनाए रखेंगे अधिकारी- नगर आयुक्त

कृष्णा नगर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशन में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर महापुरुषों की प्रतिमाओं को सूचित किया गया है गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले 86 पार्कों में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति तथा अन्य महापुरुषों की मूर्ति पर पेंटिंग का कार्य किया गया है साथ ही पार्कों की रंगाई पुताई तथा सफाई का कार्य भी शुद्धता से किया गया है, ऐसी पार्क जहां आवश्यकता थी पेंटिंग और रंगाई पुताई की वहां पर रंगाई पुताई कराई गई है अन्य पार्कों में सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है, पार्कों में मरम्मत का कार्य तथा मूर्ति स्थलों के मरम्मत का कार्य भी कराया गया है।

महाराणा प्रताप रोड

वाल्मीकि कॉलोनी

पटेल नगर मार्ग

लोहिया नगर

पार्कों को फूलमालाओं से सजाया गया

करंट क्राइम। डॉ. अनुज प्रभारी उद्यान द्वारा बताया गया कि बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पार्कों को सुसज्जित करने का कार्य किया गया है। ऐसे अंबेडकर पार्क जहां पर पेंटिंग की आवश्यकता थी पेंटिंग का कार्य कराया गया है। इसके अलावा आवश्यकता को देखते हुए सभी स्थलों पर कार्य किया गया है तथा फूलमालाओं से भी पार्कों को सजाया गया है। इसी क्रम में उद्यान विभाग के सुपरवाइजर तथा हेड मालियों की ड्यूटी भी लगाई गई है, पांचों जोन अंतर्गत पेयजल की व्यवस्था हेतु टैंकर प्रकाश व्यवस्था हेतु लाइट तथा मोबाइल शौचालय की आवश्यकता अनुसार व्यवस्था कराई गई है।

संजय नगर

शहर के सभी पार्कों तथा कार्यक्रम स्थलों पर अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

करंट क्राइम। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह भव्य रूप से मनाई जा रहे हैं जिसमें गाजियाबाद नगर निगम उद्यान विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ निर्माण विभाग भी व्यवस्था में जुटा हुआ है। कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा भव्य रूप से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं जिसमें उद्यान विभाग भी विशेष सहयोग कर रहा है। नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार अपर नगर आयुक्तों को मॉनिटरिंग प्रबल बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं जिसके क्रम में शहर के सभी पार्कों तथा कार्यक्रम स्थलों पर अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है जिसमें विशेष रूप से उद्यान विभाग टीम की ड्यूटी पार्कों पर लगाई गई है।

गाजियाबाद की राजनीतिक सियासत में कहां है दलित फेस वोटों की गिनती में भारी, मगर बनते नहीं है ये चुनावी फेस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आज संविधान निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती है। आज दलित बस्तियों में कार्यक्रम होंगे, प्रमुख पार्कों में प्रतिमाओं में माल्यार्पण होगा, मंचों से लंबी चौड़ी बाते होंगी, लेकिन अंबेडकर जयंती पर बड़ा सवाल ये है कि जिस दलित समाज के कल्याण की बात सभी दल करते हैं, उस दल में दलित चेहरों को प्रमुखता से स्थान कौन दल देता है। अगर देश में दलित राजनीति की बात करें तो ये एक बड़ा वर्ग है जो राजनीति को सीधे रूप से प्रभावित करता है। इस दल को साथ लिये बिना राजनीति की परिकल्पना भी अधूरी है। गाजियाबाद की बात करें तो दिल्ली से सटा ये लोकसभा का क्षेत्र दलित राजनीति का बड़ा स्थान है। यहां वोटों की संख्या में दलित वोटों की भागीदारी बड़ी बताई जाती है, लेकिन डॉ. अंबेडकर जयंती पर ये बड़ा सवाल है कि जिस वर्ग के बिना राजनीति अधूरी है उस वर्ग की राजनीति में कितनी भागीदारी है और संगठन से लेकर सदन तक वो कहां है। राजनीतिक स्तर पर उनका मूवमेंट क्या है। सियासी दलों के चेहरे जो नेतृत्व करते हैं उनमें दलित भागीदारी कितनी है। कांग्रेस की राजनीति में दलित कहां हैं। भाजपा की राजनीति में दलित कहां हैं। बसपा की राजनीति में दलितों को क्या मिला और समाजवादी पार्टी दलितों को क्या दे रही है। दलितों को किस दल से कितना बैकअप मिला है। सियासी जानकार भी ये मानते हैं कि केवल दलितों के यहां भोजन करने से ही काम नहीं चलने वाला है। दलित बस्तियों में जाकर झाडू लगाने से भी उनका भला नहीं होगा। जब तक वो राजनीति की प्रमुख धारा में नहीं आएंगे तब तक वो अपने समाज की आवाज को प्रमुखता से कैसे उठाएंगे और ये तभी संभव है जब दलित चेहरे केवल फिल इन द ब्लैंक से आगे निकले और उनकी भूमिका केवल दलित कोटे को भरने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उनकी चुनावी भागीदारी होनी चाहिए, संगठन में उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए। आज सभी दलों के दलित कार्ड पर नजर डालते हैं और ये देखते हैं कि गाजियाबाद की राजनीति में दलित कहां स्टैंड कर रहे हैं।

अंबेडकर जयंती पर विशेष

क्यों नहीं मिलता है दलितों को लोकसभा, मेयर और विधानसभा का टिकट

करंट क्राइम। अगर गाजियाबाद की राजनीति की बात करें तो यहां पिछले 20 सालों से किसी दलित को किसी लोकसभा का टिकट ही नहीं मिला। जबकि 20 सालों में दलितों ने हर बार लोकसभा सांसद चुनने के लिये वोट दिये हैं। भाजपा ने चार बार रमेशचंद तोमर को टिकट दिया। कांग्रेस ने सुरेंद्र गोयल को टिकट दिया। भाजपा ने राजनाथ सिंह को टिकट दिया। फिर भाजपा ने जनरल वीके सिंह को टिकट दिया। कांग्रेस ने राज बब्बर को टिकट दिया। बसपा ने मुकुल उपाध्याय को टिकट दिया। इसके बाद भाजपा ने फिर जनरल वीके सिंह को टिकट दिया। कांग्रेस ने डॉली शर्मा को टिकट दिया। सपा-बसपा ने सुरेश बंसल को टिकट दिया और फिर भाजपा ने अतुल गर्ग को टिकट दिया। कांग्रेस ने डॉली शर्मा को टिकट दिया। इस तरह से किसी भी राजनीतिक दल ने दलित चेहरे को सामान्य सीट से चुनाव लडने लायक ही नहीं समझा। अगर बात विधानसभा की करें तो यहां भी यही स्थिति रही है और मेयर चुनाव में भाजपा ने डीसी गर्ग, दमयंती गोयल, तेलूराम कांबोज, अशु वर्मा, आशा शर्मा, सुनीता दयाल को टिकट दिया है, लेकिन दलित को टिकट नहीं मिला। अगर बात दलितों की सबसे बड़ी झंडाबरदार पार्टी बसपा की करें तो उसने दलितों को टिकट नहीं दिया। उसने हसीना बेगम को मेयर का टिकट दिया। उसने पूनम यादव को टिकट दिया, लेकिन दलित को टिकट नहीं मिला। हालांकि ये पार्टियों की अपनी प्रतिबद्धता है क्योंकि उनको भी कार्यकताओं को जवाब देना है, लिहाजा वो यहां नियम से बंधे हैं, लेकिन परिपार्टी बदली भी जा सकती है।

अगर गाजियाबाद की राजनीति की बात करें तो यहां पिछले 20 सालों से किसी दलित को किसी लोकसभा का टिकट ही नहीं मिला।

सपा ने दिया है दो बार दलितों को टिकट

करंट क्राइम। बसपा ने सामान्य सीट पर मुस्लिम को टिकट दे दिया, ब्राह्मण को टिकट दे दिया, वैश्य को टिकट दे दिया, लेकिन किसी भी दलित को टिकट नहीं दिया, मगर यहां सपा ने ये परिपार्टी तोड़ी है और उसे इसका सियासी लाभी भी मिला है। उसके वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ है। सपा ने यहां शहर सीट से विधानसभा चुनाव में सामान्य सीट पर विशाल वर्मा को टिकट दिया। जबकि बसपा ने ब्राह्मण कार्ड खेला और केके शुक्ला को टिकट दिया। सपा ने दूसरी बार भी सामान्य सीट पर दलित कार्ड चला और उसने शहर सीट पर सिंहराज जाटव को टिकट दिया।

संगठन की कमान और दलित बिरादरी की भागीदारी

करंट क्राइम। संगठन की बात करें तो यहां दलितों के पास कमान केवल बसपा में रही है। लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। अपनी सरकार में टिकट नहीं मिला, अपनी पार्टी से टिकट नहीं मिला। यहां रामप्रसाद प्रधान से लेकर प्रेमचंद भारती, कुलदीप ओके अध्यक्ष रहे हैं। मगर, टिकट वाले फ्रेम में वो भी नहीं आए। कांग्रेस ने एक लंबे समय के बाद यहां संगठन की कमान दलित चेहरे को दी है। दशकों पहले गजराज सिंह यहां से कांग्रेस के जिलाध्यक्ष थे और उसके बाद से कांग्रेस की जिला और महानगर की कमान दलित चेहरों को नहीं मिली। अब गजराज सिंह के बाद वीर सिंह को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। अगर बात सपा की करें तो यहां जेपी कश्यप, रामकिशोर अग्रवाल, संजय यादव, धर्मवीर डबास, राशिद मलिक, वीरेंद्र यादव, फैसल हुसैन अध्यक्ष रहे हैं, मगर संगठन की कमान सपा में भी किसी दलित चेहरे को नहीं मिली। चलो माना कि टिकट में कोटा है, लेकिन संगठन में तो कमान दी जा सकती है या यहां भी किसी बात का टोटा है।

संगठन की बात करें तो यहां दलितों के पास कमान केवल बसपा में रही है। लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। अपनी सरकार में टिकट नहीं मिला, अपनी पार्टी से टिकट नहीं मिला। यहां रामप्रसाद प्रधान से लेकर प्रेमचंद भारती, कुलदीप ओके अध्यक्ष रहे हैं। मगर, टिकट वाले फ्रेम में वो भी नहीं आए।

20 सालों में राजनीति दे पाई कितने दलित चेहरों को मुकाम

करंट क्राइम। अगर दलित चेहरों की बात करें और राजनीति की बात करें तो गाजियाबाद में दलित राजनीति का एक दौर मौर्य राजनीति का दौर रहा है। एक दौर था जब राजेंद्र नगर में अगर रिक्शेवाले से भी किसी अंजान से कहा कि मौर्य की कोठी पर चलना है तो रिक्शा चालक अपने आप चल देता था। ये वो दौर था और फिर धीरे-धीरे दलित नेता हाशिए पर होते चले गए और अगर 20 सालों की राजनीति पर गौर करें तो लोकसभा स्तर का एक भी दलित नेता गाजियाबाद में नहीं उभरा। दलितों को पार्षदी का टिकट दे दिया। नामित पार्षद बना दिया। महानगर में महामंत्री बना दिया और इससे आगे उनका विस्तार ही नहीं होने दिया। दलितों ने कभी आवाज नहीं उठाई और फिर सियासत में भी इस वर्ग को प्रमुखता से लेने की जरूरत नहीं समझी। आज जब अंबेडकर जयंती पर बड़े-बड़े भाषण होंगे तो इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि आखिर ऐसा क्या है कि दलित राजनीति मुख्य धारा में नहीं आ रही है। जिस बसपा पर उन्होंने भरोसा किया, उस बसपा ने उन्हें टिकट नहीं दिये। जिस भाजपा के साथ वो जुड़कर चले उस भाजपा मे भी सेकेंड लाइन लीडरशिप के रूप में कोई चेहरा नहीं उभरा। आखिर दलित राजनीति का ये हाशिया कब खत्म होगा।

आज जब अंबेडकर जयंती पर बड़े-बड़े भाषण होंगे तो इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि आखिर ऐसा क्या है कि दलित राजनीति मुख्य धारा में नहीं आ रही है।

क्यों नहीं बनते हैं दलित गाजियाबाद में दर्जाप्राप्त राज्यमंत्री

करंट क्राइम। वोटों का आंकड़ा अगर निकाल लें तो ये वर्ग सबसे बड़ी भागीदारी लिये हुए है। शिक्षा के क्षेत्र में इनके युवा संघर्ष कर रहे हैं। राजनीति में ये आवाज भी उठाते हैं, मगर ऐसा क्या है कि सरकार चाहे सपा की हो, बसपा की हो या भाजपा की हो, ये हमेशा पिछड़ जाते हैं। जब दर्जाप्राप्त मंत्री की बात आती है तो अन्य बिरादरियों के चेहरे आ जाते हैं। जीडीए बोर्ड सदस्य बनाना हो तो अन्य बिरादरी आ जाती है। निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष बनाना हो तो अन्य बिरादरी आ जाती है। आखिर गाजियाबाद की राजनीति में वो दिन कब आएगा जब यहां से देश की राजनीति के फलक पर चमकने वाले दलित चेहरों की कब आमद होगी।

आखिर गाजियाबाद की राजनीति में वो दिन कब आएगा जब यहां से दलित चेहरों की आमद होगी।

शब्दों से रिश्तों को संवारने की पहल कर रहे हैं महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल

करा रहे हैं कार्यकर्ताओं को फील गुड और टीम वर्क की हो रही है शुरूआत

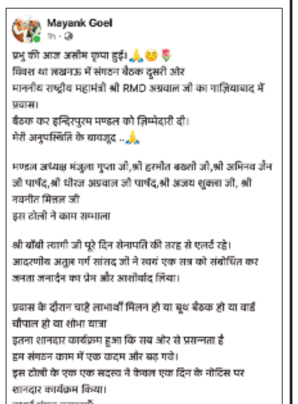
Mayank Goel
1h ·
प्रभु की आज असीम कृपा हुई।🙏😇🌹
विवश था लखनऊ में संगठन बैठक दूसरी ओर
माननीय राष्ट्रीय महामंत्री श्री RMD अग्रवाल जी का ग़ाज़ियाबाद में प्रवास।
बैठक पर इन्दिरपुरम मण्डल को ज़िम्मेदारी दी।
मेरी अनुपस्थिति के बावजूद ..🙏

मण्डल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता जी,श्री हरमीत बख़्शी जी,श्री अभिनव जैन जी पार्षद,श्री धीरज अग्रवाल जी पार्षद,श्री अजय शुक्ला जी, श्री नवनीत मित्तल जी
इस टोली ने काम सम्भाला

श्री बॉबी त्यागी जी पूरे दिन सेनापति की तरह से एलर्ट रहे।
आदरणीय अतुल गर्ग सांसद जी ने स्वयं एक सत्र को संबोधित कर जनता जनार्दन का प्रेम और आशीर्वाद लिया।

प्रवास के दौरान चाहे लाभार्थी मिलन हो या बूथ बैठक हो या वार्ड चौपाल हो या शोभा यात्रा
इतना शानदार कार्यक्रम हुआ कि सब ओर से प्रसन्नता है
हम संगठन काम में एक कदम और बढ़ गये।
इस टोली के एक एक सदस्य ने केवल एक दिन के नोटिस पर शानदार कार्यक्रम किया।
बधाई मंगल कामनाएँ

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मयंक गोयल महानगर अध्यक्ष बनने के बाद से ही लगातार एक्टिव हैं। वो भाजपा की राजनीति के सबसे कम उम्र के पुरोधा भी कहे जा सकते हैं। दरअसल संघ और भाजपा की घुट्टी उन्होंने बाल्यकाल से ली है। कार्यकर्ता की तरह काम किया है तो जानते हैं कि कार्यकर्ता का सम्मान किया होता है। मयंक गोयल ने एक नई परंपरा शुरू की है और अपने शब्दों से वो रिश्तों को साध रहे हैं। संगठन के कार्यक्रम में उन्होंने अपनी टीम का आभार व्यक्त किया और बड़ी बात ये थी कि यहां उन्होंने एक-एक सदस्य का नाम लेकर आभार व्यक्त किया। ये वो शब्द हैं जो कार्यकर्ता को फील गुड कराते हैं।

मयंक गोयल के तरीफ करने के अंदाज ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया है। क्योंकि राजनीति में सामने वाले की तारीफ करने के लिये भी बड़ा दिल चाहिए। आमतौर पर राजनीति में नेता किसी की मंच से तारीफ करने में कतराते हैं। सार्वजनिक रूप से प्रशंसा नहीं करते और उन्हें लगता है कि ऐसा करने से सियासी प्रमोशन हो जाएगा, लेकिन मयंक गोयल ऐसे अध्यक्ष हैं जो कार्यकताओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं। मयंक गोयल के शब्द सोशल मीडिया पर कार्यकताओं का हौंसला बढ़ा रहे हैं। वो कार्यकताओं के काम को अपने शब्दों से बता रहे हैं। कार्यकताओं का दिल जीत रहे हैं। मयंक गोयल इस तारीफ को सोशल मीडिया पर भी साझा किया है। उन्होंने एक बैठक का जिक्र किया और उन्होंने कहा कि वो इस बैठक में उपस्थित नहीं थे। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय महामंत्री आरएमडी अग्रवाल गाजियाबाद में आए। इस बैठक में उन्होंने इंदिरापुरम मंडल का जिक्र किया और लिखा कि मेरी अनुपस्थिति के बावजूद मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता, हरमीत बख्शी, पार्षद अभिनव जैन, पार्षद धीरज अग्रवाल, अजय शुक्ला और नवनीत मित्तल ने टीम वर्क के साथ काम संभाला।

मयंक गोयल ने अन्य कार्यकताओं की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि बोबी त्यागी पूरे दिन सेनापति की तरह से अलर्ट रहे। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने स्वयं एक सत्र को संबोधित कर जनता जनार्दन का प्रेम और आशीर्वाद लिया। मयंक गोयल ने अपनी इस पोस्ट में जमकर तारीफ की और कहा कि हम संगठन के काम में एक कदम और बढ़ गए। कार्यक्रम की तारीफ की और लिखा कि इतना शानदार कार्यक्रम हुआ कि सब ओर से प्रसन्नता है। मयंक गोयल का ये अंदाज कार्यकताओं को पसंद आ रहा है। बड़ी बात ये है कि वो एक ऐसे कप्तान के रूप में सामने आए हैं जो कार्यकताओं का उत्साहवर्धन कर अपनी टीम के काफिले को और मजबूत बना रहा है।

संपादकीय

टैरिफ की आंधी

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बुधवार को तथाकथित जवाबी शुल्क को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया और इस बात ने उनके सर्वाधिक करीबी सलाहकारों में से भी कुछ को चकित किया है। एक तरह से यह दिखाता है कि निर्णय ठोक बजाकर नहीं लिए जा रहे हैं और इसके चलते वैश्विक वित्तीय बाजार और अर्थव्यवस्था भारी अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। चाहे जो भी हो इस स्थगन ने वित्तीय बाजारों को अत्यावश्यक राहत प्रदान की है।

उदाहरण के लिए अमेरिका में एसऐंडपी 500 बुधवार को 9.5 फीसदी ऊपर गया। चूंकि गुरुवार को भारत में बाजार बंद रहे इसलिए उन पर इसका असर शुक्रवार को देखने को मिल सकता है। संशोधित योजना के अनुसार सभी देशों के लिए 10 फीसदी का बुनियादी टैरिफ बरकरार रहेगा जबकि भारत समेत चुनिंदा कारोबारी साझेदारों पर लगाया गया जवाबी शुल्क फिलहाल स्थगित रहेगा।

उम्मीद है कि अगले 90 दिनों में कारोबारी साझेदार किसी ऐसे समझौते पर पहुंच जाएंगे जो ट्रंप प्रशासन को ह्यउचितह्व प्रतीत होगा। ध्यान देने वाली बात है कि चीन इस योजना का हिस्सा नहीं है और अमेरिका आने वाले चीनी आयात पर चीन पर टैरिफ 125 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन को बाहर रखने और ऐसे प्रतिशोधात्मक टैरिफ लगाने का अर्थ है कि जोखिम वैश्विक व्यापार और वृद्धि से परे भी हो सकता है।

अब यह स्पष्ट है कि ट्रंप के कदमों के कारण वित्तीय बाजारों में मची उथल पुथल थोड़ी धीमी पड़ सकती है। बीते कुछ दिनों में बॉन्ड बाजारों में बिकवाली वॉल स्ट्रीट में कुछ लोगों के लिए खासी चिंताजनक है। आमतौर पर जब शेयरों की कीमत गिरती है तो पैस बॉन्ड की ओर जाता है जिससे बॉन्ड कीमतों में इजाफा होता है। शुरूआत में यही हुआ। बहरहाल बीते कुछ दिनों से बॉन्ड कीमतों में गिरावट आनी आरंभ हो गई। यह बताता है कि निवेशक कहीं अधिक चिंतित हैं।

अमेरिकी सरकार के डेट बाजार का गलत आवंटन दुनिया भर के अन्य बाजारों के लिए कठिनाई पैदा कर सकता है। यकीनन वित्तीय बाजारों ने इस कारोबारी झटके को लेकर अनुमान के मुताबिक ही प्रतिक्रिया दी है। यह चकित करने वाली बात है कि ट्रंप और उनके सलाहकारों ने अलग नतीजों की उम्मीद की थी। बहरहाल, वित्तीय बाजारों में सुधार जहां समझा जा सकता है वहीं बुनियादी स्तर पर कुछ खास नहीं बदला है। यह केवल एक ठहराव है और ट्रंप ने अपने लक्ष्य हासिल करने में टैरिफ के महत्व को लेकर मन नहीं बदला है। ऐसे में अगले 90 दिनों तक कारोबारी साझेदारों के लिए बातचीत आसान नहीं होगी और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता का स्तर बढ़ा रहेगा जो वैश्विक वृद्धि को प्रभावित करेगा।

जैसा कि बीते कुछ दिनों के प्रमाण बताते हैं अमेरिका साझेदार देशों द्वारा टैरिफ कम करने से संतुष्ट नहीं होगा। मसलन वियतनाम द्वारा अमेरिकी आयात पर शून्य शुल्क भी अमेरिकी प्रशासन को संतुष्ट नहीं कर सका। ट्रंप के लिए विभिन्न देशों के साथ व्यापार घाटा सही नहीं है और उसे दूर किया जाना चाहिए। यह संभव नहीं होगा क्योंकि चीजें इस तरह काम नहीं करतीं। वास्तव में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार और आर्थिक व्यवस्था पर सवाल उठा रही है। इससे व्यवस्था में अस्थिरता आना तय है।

भारत को अमेरिका के साथ संबद्धता बनाए रखनी होगी।भारत अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है क्योंकि उसने जवाबी टैरिफ की घोषणा के काफी पहले द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू कर दी थी। यह दोहराना सही होगा कि टैरिफ कम करना तथा अधिकांश वस्तुओं पर अन्य कारोबारी प्रतिबंध भारत के हित में हैं। इससे भारत को बहुप्रतीक्षित व्यापार वाताओं को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। मसलन यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम के साथ बातचीत। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिकी व्यापार नीति के कारण अनिश्चितता की अवधि से गुजरना होगा। यह भी स्पष्ट नहीं है कि अगले कुछ महीनों में हालात क्या मोड़ लेंगे। ऐसे में भारत को सतर्क रहना चाहिए और शेष विश्व के साथ सक्रिय रिश्ता रखना चाहिए।

बाबासाहेब का जीवन वंचितों, शोषितों व पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए था समर्पित

नई दिल्ली। हर वर्ष 14 अप्रैल को देश में संविधान के निमार्ता और सामाजिक समानता के नायक बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर दलितों के महान नेता थे। बाबासाहेब के नाम से मशहूर अंबेडकर को भारत के संविधान का शिल्पकार कहा जाता है। आजादी के बाद उन्होंने न सिर्फ संविधान निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभाई, बल्कि स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक व न्याय व्यवस्थित भी बनाया। बाबासाहेब का जीवन वंचित, शोषित व पिछड़े वर्ग के उत्थान व सशक्तिकरण में समर्पित रहा। वे एक महान चिंतक, समाज सुधारक, कानून विशेषज्ञ, आर्थिक विशेषज्ञ, बहुभाषी वक्ता, संपादक, पत्रकार भी थे।

हर वर्ष 14 अप्रैल को देश में दलितों के नेता और भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है। अंबेडकर जयंती को भीम जयंती, अंबेडकर स्मृति दिवस, समानता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। डॉ. भीम राव अंबेडकर (1891-1956) को भारतीय संविधान के जनक एवं दलितों के सबसे बड़े नेता और मसीहा के रूप में जाना जाता है। डा. अंबेडकर ने दलित समदुाय के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी। बाबासाहेब की जयंती का दिन हमें डॉ. अंबेडकर के असाधारण योगदान की याद दिलाने के साथ-साथ समानता और सामाजिक न्याय के लिए हमारी निरंतर यात्रा पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है। बाबासाहेब अंबेडकर का जन्म महार जाति में जन्म हुआ था जो अछूत मानी जाती थी। महार लोग गरीब होते थे, उनके पास जमीन नहीं थी और उनके बच्चों को वही काम करना पड़ता था जो वे खद करते थे। उन्हें गांव के बाहर रहना पड़ता था और गांव के अंदर आने की इजाजत नहीं थी। अंबेडकर अपनी जाति के पहले व्यक्ति थे जिसने अपनी कॉलेज की पढ़ाई पूरी की और वकील बनने के लिए इंग्लैंड गए। उन्होंने दलितों को अपने बच्चों को स्कूल-कॉलेज भेजने के लिए प्रोत्साहित किया। दलितों से अलग-अलग तरह की सरकारी नौकरी करने को कहा ताकि वे जाति व्यवस्था से बाहर निकल पाएं। दलितों के मंदिर में प्रवेश के लिए जो कई प्रयास किए जा रहे थे, उनका अंबेडकर ने नेतृत्व किया। उन्हें ऐसे धर्म की तलाश थी जो सबको समान निगाह से देखे। जीवन में आगे चल कर उन्होंने धर्म परिवर्तन करके बौद्ध धर्म को अपनाया। उनका मानना था कि दलितों को जाति प्रथा के खिलाफ अवश्य लड़ना चाहिए और ऐसा समाज बनाने की तरफ काम करना चाहिए जिसमें सबकी इज्जत हो, न कि कुछ ही लोगों की। अंबेडकर जयंती का दिन डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं विरासत को एक उत्सव के रूप में मनाना तथा समानता एवं सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना है। बाबासाहेब कहा करते थे कि वह ऐसे धर्म को मानते हैं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है। उनका मानना था कि जीवन लम्बा होने के बजाय महान होना चाहिए। वे ये भी कहते थे कि वे किसी समाज की प्रगति उसमें मौजूद महिलाओं की स्थिति से देखते हैं।

अंबेडकर उस वक्त समाज में व्याप्त भेदभाव से लड़कर अपनी काबिलियत के दम पर आजाद भारत के पहले कानून मंत्री के पद तक पहुंचे। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न भी दिया गया। डॉ. अंबेडकर ने देश में श्रम सुधारों में भी अहम भूमिका निभाई। अंबेडकर ने श्रमिक संघों को बढ़ावा दिया और अखिल भारतीय स्तर पर रोजगार कार्यालयों की शुरूआत की। संविधान निर्माण में बाबासाहेब के अतुलनीय योगदान का हर भारतीय ऋणी है। उन्होंने प्रत्येक भारतीय के लिए अधिकार व अवसर सुनिश्चित कर उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया। सामाजिक समानता के नायक अंबेडकर जी की जयंती पर राजकीय अवकाश की घोषणा की गई है। हम सभी को बाबासाहेब के सपनों का भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में बाजार से निकाले 31 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा कई देशों पर टैरिफ लगाए जाने और अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ युद्ध को लेकर दुनियाभर के बाजारों में अस्थिरता का दौर चल रहा है। इस बीच अप्रैल माह में भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों ने 31,575 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। वहीं 21 मार्च से 28 मार्च के बीच छह ट्रेडिंग सेशन में करीब 30,927 करोड़ रुपये का निवेश भी आया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस निवेश से मार्च में कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रह गई।

इस साल भारतीय बाजार से 1.48 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं विदेशी निवेशक : फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे। जनवरी में तो विदेशी निवेशकों ने 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। निवेशकों की धारणा में यह बदलाव वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और गतिशीलता को दशार्ता है। डेटा के अनुसार, 1 अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 31,575 करोड़ रुपये निकाले। इसके साथ ही साल 2025 में भारतीय बाजार से विदेशी निवेशक कुल 1.48 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

लॉन्ग टर्म में भारत को मिलेगा फायदा : जियोजित इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ के बाद वैश्विक शेयर बाजारों की उथल-पुथल, भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है।' उनका मानना है कि मौजूदा अराजकता का दौर शांत होने के बाद ही विदेशी निवेशकों की रणनीति का स्पष्ट पैटर्न उभर कर सामने आएगा। उनका मानना है कि अमेरिका और चीन टैरिफ युद्ध के चलते मंदी की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में मध्यम अवधि में विदेशी निवेशक भारत का रुख कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2026 में बेहतर आय वृद्धि के साथ भारत में एफपीआई निवेश बढ़ सकता है। वेंचुरा के शोध प्रमुख विनीत बोलिन्जकर ने कहा कि भारतीय इक्विटी में चल रही बिकवाली अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण भू-राजनीतिक जोखिम से प्रेरित है। हालांकि, देश के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल बरकरार हैं।

राशिफल

मेष: सफलता निकट होने के बावजूद आपके ऊर्जा स्तर में गिरावट आएगी। सहभागी व्यवसायों और जोड़ तोड़ वाली आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें।

वृष: आज आप ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। इस राशि के छात्रों के लिए आज करियर में एक नया बदलाव देखने को मिलेगा।

मिथुन: कार्यक्षेत्र में आज आपको अपने बॉस को खुश करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। नए रिश्ते विनाशकारी हो सकते हैं।

कर्क: स्वार्थी व्यक्ति से बचने की पूरी कोशिश करें, क्योंकि वह आपको तनाव दे सकता है। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे।

सिंह: आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आप किसी कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इस राशि के भाई-बहन मंदिर में भगवान के दर्शन करने जा सकते हैं।

कन्या: आज आपके सभी कष्ट समाप्त होंगे, पारिवारिक जीवन में आपको एक सुनहरा पल मिलेगा। आपके परिवार में खुशियां आएंगी।

तुला: आर्थिक सुधार निश्चित है। घर में साफ-सफाई की नितांत आवश्यकता है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए टालें नहीं और तैयार हो जाएं।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

धनु: आज आपके काम कम समय में पूरे होंगे। आपको रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। जल्द ही आपको कोई बड़ी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मकर: केवल एक दिन को ध्यान में रखकर जीने की अपनी आदत पर नियंत्रण रखें और मनोरंजन पर ज्यादा समय और पैसा खर्च न करें।

कुंभ: आज आपका ध्यान अध्यात्म की ओर अधिक रहेगा। घर में धार्मिक कार्यों का आयोजन हो सकता है।

मीन: आज आपको सेहत को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है, जिस काम को करने की आप काफी समय से सोच रहे थे, उसे शुरू कर दें।

चुटकुले

महिला- मेरा वेट कैसे कम होगा?
पति- अपनी गर्दन को रोजाना दाएं बाएं हिलाती रहो।
महिला- किस समय?
पति- जब कोई खाने को पूछे!

बेटा बियर पीकर घर लौटा था
मम्मी की डांट से बचने के लिए लैपटॉप
खोलकर पढ़ने लगा
मम्मी- बेटा तू फिर से पीकर आ गया।
बेटा- नहीं मम्मी नहीं मैंने नहीं पी है।
मम्मी- तो फिर सूटकेस खोलकर क्या पढ़ रहा है।

लड़की से लड़का बोला
डार्लिंग मुझे तुम्हारी आंखों में सारी दुनिया
दिखाई देती है।
पीछे से एक बूढ़ा बोला
हमारी गाय नहीं मिल रही, दिखे तो बताना बेटा।

टैरिफ पर 90 दिनों की रोक एक अवसर

नई दिल्ली। टैरिफ विवाद के बीच नफा और नुकसान का आकलन लगातार किया जा रहा है। सभी देश अपने-अपने हित को लेकर सजग हैं। इसी बीच 9वें कानेर्गी ग्लोबल टेक समिट में भी यह मुद्दा छाया रहा। कानेर्गी इंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के वरिष्ठ शोधकर्ता एशले जे टेलिस का कहना है कि हाल के वर्षों में भारत की व्यापार नीति में बड़ा बदलाव आया है। इसे देखते हुए भारत को अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करने की बड़ी सोच अपनानी चाहिए।

टेलिस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 90 दिनों के लिए टैरिफ (शुल्क) रोकने और भारत जैसे देशों पर पारस्परिक टैरिफ को 10 फीसदी तक कम करने के फैसले पर कहा कि 90 दिनों की यह रोक भारत के लिए अवसरों की अवधि है। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों को स्थायी समाधान खोजने का मौका मिलेगा और वे व्यापारिक विवादों से आगे बढ़कर आपसी सहयोग के अन्य क्षेत्रों पर ध्यान दे पाएंगे। इसके साथ ही यह कदम बाजारों और व्यापारिक साझेदारों को आगे की रणनीति बनाने का वक्त भी देगा।

टेलिस ने यह बात भारत को अमेरिका के साथ पूर्ण एफटीए से बचने की ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की सलाह की प्रतिक्रिया में कही। टेलिस ने कहा कि भारत को दीर्घकालिक तौर से इस दिशा में आगे कदम बढ़ाना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी शुरूआत में एफटीए को लेकर संदेह में थे, लेकिन अब भारत समझ गया है कि आर्थिक विकास के लिए वैश्विक व्यापार संबंध मजबूत करना जरूरी है।

अमेरिका भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है, इसलिए एफटीए को एक लक्ष्य के तौर पर देखना चाहिए, भले ही इसमें वक्त लगे। उन्होंने कहा भारत को औद्योगिक वस्तुओं पर 90 फीसदी शून्य-से-शून्य टैरिफ समझौते पर विचार करना चाहिए। टेलिस ने कहा कि भारत, अमेरिका और यूरोप जैसे दोस्त देशों को ऐसे कर-मुक्त समझौते करने चाहिए, खासकर जब आज वैश्विक सप्लाई चेन इतनी जुड़ी हुई है।

रोचक तथ्यों का करंट

- किसी भी भारी वस्तु को समुद्र की गहराई में पहुचने में करीब 1 घंटा लगता है।
- घाव को तंग करने वाले कीड़े घाव को जल्दी भरते है और गैंग्रीन और दुसरे इन्फेक्शन को फैलने से रोकते है।
- एक स्वस्थ मनुष्य के शरीर में 6000 मिलियन, मिलियन, मिलियन हीमोग्लोबिन के अणु होते है।
- मानव शरीर में 60,000 मील लंबी खून की धमनियाँ होती है।
- 5 बिलियन वर्षो के बाद सूर्य की उर्जा समाप्त हो जाएगी और वो एक लाल गोला बन कर रह जाएगा। एक इलेक्ट्रिक बाम मछली 650 वोल्ट तक के शॉक का निर्माण कर सकती है।
- क्रिस्चियन बर्नार्ड ने 1967 में पहला हार्ट ट्रांसप्लांट किया था और वो मरीज 18 दिन तक जिवित रहा था।
- अल्फ्रेड नोबेल ने 1866 में डायनामाइट की खोज की।
- बृहस्पति इतना बड़ा ग्रह हैं की यदि शेष सभी ग्रह को आपस में जोड़ दिया जाये तो वह संयुक्त ग्रह भी बृहस्पति से छोटा ही रहेगा।
- 1992 में लंदन के आकार जितना बड़ा बर्फ का गोला से टूट कर अलग हो गया था।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

अभिषेक के हाथ में पर्ची देख हैरान हुए श्रेयस, उनके पास पहुंचकर दी ऐसी प्रतिक्रिया

मुंबई। आईपीएल 2025 में शनिवार को अभिषेक शर्मा की शतक बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स पर आठ विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज की। 246 रन के लक्ष्य को हैदराबाद ने 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। अभिषेक ने 55 गेंद में 141 रन की पारी खेल। उन्होंने 40 गेंद में आईपीएल करियर का अपना पहला शतक जड़ा।

सबसे खास बात शतक लगाने के बाद अभिषेका का पर्ची निकालकर सेलिब्रेशन रहा। उस पर्ची पर लिखा था- यह शतक ऑरेंज आर्मी के लिए है। हालांकि, पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर वह पर्ची देखकर चौंक गए थे। वह समझ नहीं पाए कि यह क्या है और दौड़कर अभिषेक के पास पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले अभिषेक को बधाई दी फिर उनके हाथ से पर्ची लेकर पढ़ने लगे। मैसेज पढ़ने के बाद वह मुस्कुराने लगे। इसका वीडियो भी सामने आया

है। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि उनकी टीम सनराइजर्स के दो सलामी बल्लेबाजों की हिटिंग क्षमता के सामने कुछ नहीं कर सकी। श्रेयस ने कहा कि उन्होंने शुरू में जो लक्ष्य निर्धारित किया था, उससे वे कम से कम 20 रन ऊपर थे, लेकिन घरेलू टीम ने इस तरह की बल्लेबाजी की कि यह लक्ष्य भी कम लगने लगा। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि यह शानदार स्कोर था। फिर भी मुझे हंसी आ रही है कि सनराइजर्स ने दो ओवर शेष रहते इसका पीछा किया। हम कुछ कैच ले सकते थे, लेकिन वह (अभिषेक) भाग्यशाली थे। वह असाधारण थे। हमने उम्मीद के मुताबिक गेंदबाजी नहीं की। अभिषेक और हेड के बीच शुरूआती साझेदारी शानदार थी। उन्होंने हमें इसका फायदा उठाने के ज्यादा मौके नहीं दिए।' अभिषेक के अलावा हेड ने इस मैच में 37 गेंद में नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 66 रन की पारी खेली।

इसके अलावा हेनरिक क्लासेन 14 गेंद में 21 रन और ईशान किशन नौ रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 245 रन बनाए थे। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 36 गेंद में 82 रन की पारी खेली थी। वहीं, प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंद में 42 रन और प्रियांश आर्या ने 13 गेंद में 36 रन बनाए थे। स्टोइनिस 11 गेंद में 34 रन बनाकर नाबाद रहे थे। एसआरएच के हर्षल पटेल ने चार विकेट लिए। इससे सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चार मैचों के हार के क्रम को तोड़ने में कामयाब रही। हैदराबाद ने अब तक छह मैच खेले हैं और दो जीतने में कामयाब रही है। सनराइजर्स हैदराबाद का अगला मुकाबला 17 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से है।

मैच से पहेल बुखार से जूझ रहे थे अभिषेक शर्मा इस तरह युवराज और सूर्यकुमार ने की मदद

मुंबई। आईपीएल 2025 के 27वें मैच में अभिषेक शर्मा ने शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने 55 गेंद में 141 रन की पारी खेली और आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर वाले भारतीय बन गए। इस मामले में अभिषेक ने केएल राहुल को पीछे छोड़ा। मैच के बाद इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कई चीजों पर बात की। हालांकि, उनके एक खुलासे ने सभी को चौंका कर रख दिया। अभिषेक ने बताया कि मैच से पहले चार दिनों से वह बुखार से जूझ रहे थे। इस दौरान उनके मेंटर युवराज सिंह ने उनकी मदद की। साथ ही सूर्यकुमार यादव से भी वह बातचीत करते रहे। इसी वजह से वह उससे उबर पाने और शतक लगाने में कामयाब रहे।

हैदराबाद का अगला मैच मुंबई से

अभिषेक ने अब तक इस आईपीएल में छह मैचों में 32 की औसत और 202.10 के स्ट्राइक रेट से 192 रन बनाए हैं। हालांकि, पंजाब के खिलाफ मैच से पहले उन्होंने 10.50 की औसत से 51 रन बनाए थे। अभिषेक के अलावा ट्रेविस हेड ने 66 रन की पारी खेली। इससे सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चार मैचों के हार के क्रम को तोड़ने में कामयाब रही। हैदराबाद ने अब तक छह मैच खेले हैं और दो जीतने में कामयाब रही है। सनराइजर्स हैदराबाद का अगला मुकाबला 17 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से है। यह मैच वानखेड़े में खेला जाएगा।

युवराज और सूर्यकुमार को लेकर अभिषेक का बयान

यह पूछे जाने पर कि प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिलने वक्त उन्होंने युवराज सिंह का जिक्र किया था। युवी ने किस तरह मदद की? इस पर अभिषेक ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैच से पहले चार दिन तक मैं बीमार था। मुझे लगता है कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे जीवन में युवराज सिंह और सूर्यकुमार यादव जैसे लोग हैं। ये मुझे लगातार कॉल करते रहे और मुझे बताते रहे कि मैं ऐसा कुछ कर सकता हूं। कुछ मैच खराब जाएं तो खिलाड़ी को खुद पर शक होने लगता है, लेकिन उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। जब इस तरह के खास खिलाड़ी आप पर भरोसा जताते हैं तो आपको खुद पर भरोसा होने लगता है। मुझे बस एक पारी चाहिए थी। मैं इसके लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और इस मैच में ऐसा ही हुआ।'

पत्रकार द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्होंने पर्ची में वह संदेश कब लिखा था और क्या उन्हें पता था कि वह शतक लगाएंगे? इस पर अभिषेक ने कहा- मैंने शनिवार को ही लिखा था। आमतौर पर जब मैं सोकर उठता हूं तो कुछ लिखता हूं।

भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम को तीरंदाजी विश्वकप के चरण-1 में गोल्ड

निर्णायक मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी चीनी ताइपे के तीरंदाजों पर हावी हुए

तीसरे सेट में भारत को मिली जीत के साथ मुकाबला चौथे और निर्णायक चरण में गया। चीनी ताइपे के प्रतिद्वंद्वी हुआंग आई-जौ और चेन चिह-लुन के मुकाबले भारतीय तीरंदाजों ने कई बेहतरीन निशाने लगाए। निर्णायक सेट में भारतीय जोड़ी ने 39-36 से जीत हासिल की। कुल स्कोर 153-151 रहा।

नई दिल्ली। अमेरिका में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में भारत ने शानदार शुरूआत की है। भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने वर्ल्डकप के इस प्रतिष्ठित मुकाबले में चीनी ताइपे के खिलाड़ियों को पटखनी दी। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव ने गजब के धैर्य का परिचय दिया और कांटे की टक्कर के दौरान चीनी ताइपे के खिलाड़ियों- हुआंग आई-जौ और चेन चिह-लुन को 153-151 से हराया। पहली और दूसरी सीरीज में पिछड़ने के बाद ज्योति-ऋषभ ने जोरदार वापसी की। दोनों ने मुकाबले को चौथे और निर्णायक सीरीज में जीता, जिसके बाद भारत की झोली में स्वर्ण पदक आया। इससे पहले शुक्रवार को भारत ने यूरोपीय देश स्लोवेनिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

फाइनल में गोल्ड के लिए कांटे की टक्कर के बीच भारत की मिश्रित जोड़ी पहली और दूसरी सीरीज में 37-38 और 38-39 से हार गई, लेकिन ज्योति और ऋषभ ने हौसला कायम रखा। तीसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए दोनों ने दो 10 और एक इनर 10 निशाना लगाया। इसकी बदौलत भारतीय जोड़ी को 39-38 के करीबी अंतर से जीत मिली।

यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि इस स्पर्धा को 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया गया है। क्वालीफिकेशन स्कोर के आधार पर ज्योति और ऋषभ को पांचवीं वरीयता मिली थी। दोनों ने पहले दौर में स्पेन को 156-149 से हराया था। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने डेनमार्क को कांटे की टक्कर में 156-154 से हराया।

मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने निभाया अपना वादा, काश्वी गौतम को भेंट किया बल्ला

मुंबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने काश्वी गौतम से किया वादा निभाया और उन्हें बल्ला गिफ्ट किया। काश्वी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दौरान इस ऑलराउंडर से बल्ला मांगा था और अब हार्दिक ने अपना वादा निभाया। काश्वी डब्ल्यूपीएल में गुजरात जाएंट्स के लिए खेलती हैं और उन्हें इस साल होने वाले महिला विश्व कप से पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

डब्ल्यूपीएल के दौरान हुई थी मुलाकात

पांड्या डब्ल्यूपीएल सीजन के दौरान गुजरात का मैच देखने गए थे जहां वह काश्वी से मिले थे। बैठक के दौरान काश्वी के टीम के साथियों ने पांड्या को बताया था कि काश्वी उनकी बड़ी प्रशंसक हैं और उन्होंने अपने बल्ले पर एचपी33 लिखाया हुआ है। पांड्या इस बात से काफी खुश हुए थे और उन्होंने काश्वी से वादा किया था कि वह अपना एक बल्ला उन्हें देंगे। पांड्या ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से पहले अपने इस वादे को निभाया। काश्वी गौतम के लिए डब्ल्यूपीएल का यह सीजन शानदार रहा था और वह टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी थीं। उन्होंने नौ मैचों में 6.45 के इकॉनोमी रेट से 11 विकेट लिए थे। काश्वी ने बल्ले से भी योगदान दिया था और गुजरात के लिए कई यादगार पारियां खेली थी। इससे पहले, काश्वी की टीम की साथी फोबे लिचफील्ड ने प्रतिभाशाली भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था, वह कमाल की हैं। मुझे लगता है कि जब आप उसके साथ बल्लेबाजी करते हैं तो यह घर जैसा अहसास होता है। वह बहुत शांत, बहुत संयमित है और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से मैच को अपने पक्ष में कर सकती हैं।

आईपीएल के वो 8 खिलाड़ी, जिन्होंने सिर्फ छक्के-चौके से पूरा किया शतक!

मुंबई। आईपीएल में शतक लगाते आपने कई बल्लेबाजों को देखा होगा। लेकिन, सिर्फ 8 ही बल्लेबाज ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी इनिंग के दौरान छक्के-चौके से शतक पूरा किया है। मतलब ये कि इनिंग तो उनकी बड़ी रही है। मगर उस इनिंग के 100 या उससे ज्यादा रन उन्होंने बाउंड्रीज यानी छक्के-चौके से कम्पलीट किया है। आईपीएल की शुरूआत भले ही 2008 में हुई। लेकिन 2025 तक आते-आते अभी तक सिर्फ 8 बल्लेबाज ही ये कमाल कर सके हैं। तो आइए एक नजर डालते हैं उन 8 बल्लेबाजों पर।

छक्के- चौके से सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने आईपीएल 2013 में खेली अपनी 175 रन की इनिंग के दौरान 156 रन छक्के-चौके से बनाए थे। उन्होंने अपनी इनिंग में कुल 13 चौके, 17 छक्के मारे थे। क्रिस गेल ने इससे पहले आईपीएल 2012 में खेली 128 रन की इनिंग में 106 रन बाउंड्रीज से बनाए थे। उन्होंने 7 चौके और 13 छक्के लगाए थे। इसके बाद आईपीएल 2015 में 115 रन की इनिंग के दौरान भी क्रिस गेल ने 100 रन बाउंड्रीज से बनाए थे। उन्होंने 7 चौके और 12 छक्के मारे थे। लिस्ट में दूसरे नंबर ब्रेंडन मैक्कुलम हैं, जिन्होंने आईपीएल 2008 में खेली 158 रन की पारी के दौरान 118 रन बाउंड्रीज यानी छक्के-चौके से बनाए हैं। केकेआर की ओर से खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ उस इनिंग में मैक्कुलम ने 10 चौके और 13 छक्के मारे थे। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के खिलाफ तूफानी पारी खेलने वाले अभिषेक शर्मा छक्के-चौके से सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अपनी 141 रन की इनिंग में 116 रन बाउंड्रीज से बनाए। अभिषेक शर्मा ने 14 चौके और 10 छक्के लगाए हैं।

एबी डीविलियर्स और यशस्वी जायसवाल ने 112-112 रन बाउंड्रीज के जरिए अपनी एक इनिंग में बनाए हैं। डीविलियर्स ने आईपीएल 2016 में 129 रन की पारी के दौरान 10 चौके और 12 छक्के मारे थे। वहीं यशस्वी जायसवाल ने आईपीएल 2023 के दौरान 124 रन की पारी में 16 चौके और 8 छक्के मारे थे। एबी डीविलियर्स ने आईपीएल 2015 में 133 रन की इनिंग के दौरान 100 रन बाउंड्रीज से जमाए थे। उन्होंने उस इनिंग में 19 चौके और 4 छक्के लगाए थे। आईपीएल 2008 में जब सनथ जयसूर्या ने जब 114 रन बनाए थे, तो उसमें 102 रन उन्होंने बाउंड्रीज के जरिए बनाए थे।

सनथ जयसूर्या ने उस इनिंग में 9 चौके और 11 छक्के जमाए थे। ऋषभ पंत ने भी जब 128 रन सनराइजर्स के खिलाफ आईपीएल 2018 में बनाए तो उन्होंने 102 रन बाउंड्रीज से ही बनाए थे। पंत ने उस इनिंग में 15 चौके और 7 छक्के मारे थे। आईपीएल 2022 में क्विंटन डि कॉक ने अपनी 140 रन की पारी के दौरान 100 रन बाउंड्रीज से बनाए थे। उन्होंने अपनी इनिंग में 10 छक्के, 10 चौके लगाए थे।

एक ही दिन में हार गए बाबर-रिजवान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के लिए शनिवार का दिन कुछ खास नहीं रहा। दोनों ही खिलाड़ियों के लिए पाकिस्तान सुपर लीग 2025 की शुरूआत काफी खराब रही। अपने पहले-पहले मैच में इस स्टार खिलाड़ियों को अपने फैंस के सामने हार का सामना करना पड़ा। बाबर इस लीग में पेशावर जाल्मी टीम के कप्तान हैं। वहीं, मोहम्मद रिजवान मुल्तान सुल्तान टीम की कमान संभाल रहे हैं। बाबर को कप्तान के साथ-साथ बतौर बल्लेबाज भी सीजन के पहले मैच में फ्लॉप रहे।

बाबर की टीम का हुआ बुरा हाल

पाकिस्तान सुपर लीग 2025 में 12 अप्रैल को डबल हेडर मैच खेले गए। डबल हेडर के पहले मुकाबले में पेशावर जाल्मी का सामना क्वेटा ग्लैडिएटर्स से हुआ, यहां बाबर की टीम पेशावर जाल्मी को करारी हार मिली। इस मैच में क्वेटा ग्लैडिएटर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। जिसमें सऊद शकील और फिन एलन का बड़ा योगदान रहा। सऊद शकील ने 42 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली और फिन एलन ने सिर्फ 25 गेंदों पर 53 रन ठोके।

लेकिन बाबर की टीम टारगेट का पीछा करते हुए 15 ।1 ओवर में ही 136 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बतौर बल्लेबाज बाबर इस मैच में खाता भी नहीं खोल सके। वह सिर्फ 2 गेंदों का सामना करके मोहम्मद आमिर का शिकार बन गए। इस पारी के दौरान पेशावर जाल्मी के कुल 6 खिलाड़ी खाता खोलने में नाकाम रहे, जिसके चलते उनकी टीम को सीजन के पहले ही मैच में बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

शतक लगाकर भी टीम को नहीं जीता से रिजवान

डबल हेडर का दूसरा मैच मुल्तान सुल्तान और डेविड वार्नर की कप्तानी वाली कराची किंग्स के बीच खेला गया। मुल्तान सुल्तान ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मोहम्मद रिजवान के शतकीय पारी के चलते 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 234 रन बनाए। जिसमें से 105 रन रिजवान के बल्ले से आए। लेकिन कराची किंग्स ने 19 ।2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर टारगेट चेज कर लिया। इस दौरान जेम्स विंस ने 43 गेंदों पर 101 रनों की तोबड़तोड़ पारी खेली।

इस टूनार्मेंट के लिए अमेरिकी टीम का ऐलान

नॉर्थ अमेरिका। नॉर्थ अमेरिका टी20 कप के लिए वरअ के सेलेक्टर्स ने अमेरिकी टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में पिछले टी20 मैच से सात बदलाव किए हैं और युवा प्लेयर्स की स्क्वाड में एंट्री करवाई गई है। नॉर्थ अमेरिका टी20 कप में अमेरिका के टीम की जीतने की उम्मीद है। इसमें उसका मुकाबला बरमूडा, बहामास और केमैन आइलैंड्स जैसी कम रैंकिंग वाली एसोसिएट्स टीमों से होगा। इस टूनार्मेंट के लिए अमेरिकी टीम का कप्तान मोनांक पटेल को बनाया गया है। वहीं जेसी सिंह को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एंड्रीज गौस ने अमेरिका की टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया था। इस समय वह पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद यूनाइटेड की तरफ से खेल रहे हैं। इसी वजह से उन्हें स्क्वाड में नहीं चुना गया है। वहीं हरमीत सिंह और नोस्टुश केंजीगे को रेस्ट दिया गया है। स्टीफन विग को अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भी स्क्वाड से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। एंड्रीज गौस की जगह टॉप ऑर्डर में खेलने के लिए राहुल जरीवाला को टीम में वापस बुलाया गया है। जरीवाला की तीन साल बाद अमेरिकी टीम में वापसी हुई है। इससे पहले उन्होंने अमेरिकी टीम के लिए पिछला मुकाबला साल 2022 में नामीबिया के खिलाफ खेला था। स्पिनर यासिर मोहम्मद को स्क्वाड में जगह मिली है। वह स्पिन विभाग की अगुवाई करते हुए नजर आएंगे। दूसरी तरफ अखिलेश बोडुगम ने माइनर लीग में दमदार प्रदर्शन किया था। इसी वजह से उन्हें पहली बार नेशनल टीम में एंट्री मिली है। पूर्व यूएसए कप्तान सुशील नाडकर्णी के बेटे युवा तेज गेंदबाज आरिन नाडकर्णी भी इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना पहला अनुभव लेने के लिए तैयार हैं।

काशी की कशिश के दोहरी पट दांव की काट नहीं ढूंढ सकीं आस्था, 30 दिन में 3 मुकाबले जीते

नई दिल्ली। काशी की कशिश के दोहरी पट दांव की काट जौनपुर की आस्था सिंह नहीं ढूंढ सकीं और उन्हें हार का सामना करना पड़ा। कशिश ने मुकाबला 12-2 के स्कोर से जीत लिया। महिला वर्ग की राष्ट्रीय खिलाड़ी कशिश ने एक माह में तीन मुकाबले जीतकर अपना दमखम दिखाया। महिला और पुरुष वर्ग में आयोजित प्रतियोगिता में 80 जोड़ी पहलवानों ने दांव आजमाए।

पुरुष वर्ग में सिगरा स्टेडियम के मनीष यादव ने गया सेठ अखाड़े के प्रियांशु को 9-8 के स्कोर से हराया। फ्री स्टाइल में गया सेठ के नागेश्वर ने बरेली के अर्जुन को 10-6 से, अहरक के अशोक ने नैपुरा अखाड़े के आर्यन 5-2 को, गया सेठ अखाड़े के अंशु ने बरेली के दिलावर को 8-5 से, बरेली के जतिन ने वाराणसी के सर्वेश को 6-5 के स्कोर से हराकर कुश्ती जीत ली। इससे पूर्व प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की संघ के महासचिव सुरेश चंद्र उपाध्याय ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर किया। इस दौरान मुकेश यादव, कल्लू पहलवान, इमरान, रविंद्र मिश्र, रामू पहलवान मौजूद रहे। सिगरा स्टेडियम में पांच इनडोर बैडमिंटन कोर्ट पर सुबह

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में ईशा ने जीता रजत

68वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय थांगता बालिका वर्ग की अंडर-19 प्रतियोगिता मणिपुर के इंफाल में 7 से 12 अप्रैल तक खेली गई। रामनगर राधा किशोरी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की 12वीं की छात्रा ईशा सिंह गोंड ने यूपी टीम में वाराणसी का प्रतिनिधित्व कर रजत पदक जीता। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जिला विद्यालय निरीक्षक अवध किशोर सिंह, प्रधानाचार्य साधना राय, अनुराधा पांडेय, डॉ. प्रभाष झा ने खुशी जाहिर की।

शाम बालक-बालिका वर्ग के 80 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। स्टेडियम में 100 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। सभी को सुबह छह से नौ बजे और शाम को तीन से छह बजे तक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसमें 18 वर्ष से कम आयु के बालक बालिका प्रशिक्षण ले रहे हैं। बैडमिंटन कोच श्यामधर ओझा ने सिगरा स्टेडियम में खिलाड़ियों को बैडमिंटन की बारीकियां बताते हुए कहा कि गति और लचीलापन इस खेल में सफलता दिलाने में मददगार होते हैं। बैडमिंटन में प्रवेश लेने की सबसे अच्छी आयु नौ से बारह वर्ष मानी जाती है।

इसे बतौर खेल चुनने वाले खिलाड़ी आगे भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अच्छा शटलर बनने के लिए प्रतिदिन स्ट्रेंथनिंग के साथ स्ट्रेचिंग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बैडमिंटन में औसत से अधिक लंबाई भी मददगार साबित होती है। मेजर ध्यानचंद 7-ए साइड हॉकी टूनार्मेंट शनिवार को ग्रीनपार्क स्टेडियम में हुआ। पहले मैच में लखनऊ ने मेरठ को 4-1 से हराया। दूसरे मैच में फरुर्खाबाद ने शाहजहांपुर को 5-1 से, तीसरे मैच में प्रतापगढ़ ने प्रयागराज को 3-2 से हराया। चौथे मैच में इटावा ने फतेहपुर को 9-1 से और पांचवें मैच में कानपुर ने फरुर्खाबाद को 3-2 से हराया। शुभारंभ एडवोकेट मो. रियाज खान ने गुब्बारे उड़ाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। कहा वर्तमान में क्रिकेट के दौर में हॉकी के आयोजन से राष्ट्रीय खेल को बढ़ावा मिलेगा। सरकार खिलाड़ियों का पूरा सहयोग कर रही है। टूनार्मेंट में कानपुर नगर, मेरठ, शाहजहांपुर, फतेहपुर, फरुर्खाबाद, इटावा, वाराणसी, प्रयागराज, प्रतापगढ़ की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। मैच में अंपायर की भूमिका मनीष, आलोक, मुईद अहमद, अहसान उलहक, दिव्यांश, खुर्शीद, जैदी, रवि आदि ने निभाई। संचालन एंकर अमित भाटिया ने किया। इस मौके पर संतोष बग्गड़, व्यास गौतम, शिनावर, उज्ज्वल पांडेय, सुभाष दोहरे कोच शाहिद खान मौजूद रहे।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान की ओर से शनिवार को ब्रोचा मैदान पर क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हुई। मुख्य अतिथि पूर्व रणजी खिलाड़ी संजय पाल और डीन प्रो. राजेश श्रीवास्तव ने खेल शुरू कराया।

पहले बल्लेबाजी कर डायनामिक्स स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में हेलीक्स पाइरेट्स नौ ओवर में 151 रन ही बना सकी। डायनामिक्स ने 12 रन से मैच जीत लिया। यह टी-20 प्रतियोगिता सफेद बॉल से खेली जा रही है। इस मौके पर प्रो. निर्मला होरो, आदित्य कुलवंत मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल की ओर से ग्रीष्मकालीन अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट लहरतारा के मिनी स्टेडियम में हुआ। शनिवार को प्री क्वार्टर फाइनल में सिग्नल विभाग ने चिकित्सा विभाग को हराकर दिया। अनूप मिश्र के 31 रन की बदौलत सिग्नल विभाग ने नौ ओवर में मैच जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

कैरम में नगवा शाखा को तीन पुरस्कार

नगवा के लिटिल फ्लावर हाउस में अंतर विद्यालयीय कैरम प्रतियोगिता हुई। कबीरनगर, नगवां, ककरमत्ता और संदहा शाखा के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। नगवा शाखा की टीम ने तीन पुरस्कार जीते। शुभारंभ लिटिल फ्लावर हाउस के संस्थापकों के चित्रों पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम समन्वयक तेजू सिंह यादव ने किया।

स्मृति ट्रॉफी में छह टीमों में होगा मुकाबला

जिला स्तरीय डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति हॉकी परमानंदपुर में खेली जाएगी। इसमें ट्रॉफी के लिए छह टीमों में मुकाबला होगा। आयोजन 14 से 20 अप्रैल तक किया जाएगा। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति जिला स्तरीय सिक्स ए साइड सब जूनियर बालिका हॉकी प्रतियोगिता के लिए छह टीमों ने पंजीकरण कराया है। संयोजक हॉकी वाराणसी अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता राउंड रॉबिन के आधार पर होगी। सबसे अधिक अंक हासिल करने वाली दो टीमों के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

ताइक्वांडो में 40 पदक जीतकर बनारस के खिलाड़ी टॉप पर

चौथी जनार्दन मिश्र स्मृति ताइक्वांडो कप बीएचयू के इंडोर स्टेडियम में खेला गया। ओपेन स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता के पहले दिन फ्रेसर्स वर्ग के 250 खिलाड़ियों ने अलग अलग भार वर्ग में हिस्सा लिया। इसमें 40 पदक जीत वाराणसी के खिलाड़ी टॉप पर वहीं 20 पदक जीत प्रयागराज की टीम दूसरे स्थान पर रही। आयोजन सचिव रजत मिश्र ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए 450 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन महापौर अशोक तिवारी ने किया। संचालन आयोजन सचिव रजत मिश्र और धन्यवाद ज्ञापन जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह ने किया। कानपुर में प्रादेशिक ताइक्वांडो में काशी के चार खिलाड़ियों ने पदक जीता है। ये चारों खिलाड़ी 25 से 29 अप्रैल तक नासिक में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगे। टीम कोच रामनरेश सिंह ने बताया कि यूपी ताइक्वांडो समिति की ओर से चार दिवसीय प्रादेशिक ताइक्वांडो कानपुर के डीपीएस कल्याणपुर में खेली गई।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने किया हनुमान जयंती पर विशाल शोभा यात्रा का शुभारंभ

सरदार सिंह भाटी पूर्व डिप्टी मेयर एवं पार्षद रवि भाटी ने मुख्य अतिथि को हनुमान प्रतिमा एवं श्रीरामचरित्रमानस भेंट की

शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया

करंट क्राइम। भव्य शोभायात्रा के आयोजक सरदार सिंह भाटी पूर्व डिप्टी मेयर, पार्षद रवि भाटी एवं प्राचीन श्रीराम मंदिर समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथि सुनील शर्मा को श्री हनुमान जी की प्रतिमा एवं श्री रामचरित्र मानस भेंट कर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। अधिवक्ता सरदार सिंह भाटी ने बताया आज हनुमान जी के जन्मोत्सव पर प्राचीन श्रीराम मंदिर शालीमार गार्डन से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई और आज के दिन ही महाराणा सांगा की भी जंयती है जंयती के अवसर पर महाराणा सांगा जी की भी इस शोभा यात्रा में झांकी निकाली गई। सरदार सिंह भाटी ने शोभा यात्रा में आए हजारों भक्तों का एवं प्रशासनिक अधिकारियों का इस शोभा यात्रा को शांतिपूर्ण निकालने पर धन्यवाद वक्त किया। पार्षद रवि भाटी ने बताया हर वर्ष प्राचीन श्रीराम मंदिर शालीमार गार्डन से भव्य शोभा यात्रा श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव पर निकाली जाती है आज इस शोभा यात्रा में सुन्दर झाकियां जगह जगह क्षेत्रवासियों द्वारा आरडब्लूए द्वारा मुस्लिम समुदाय द्वारा ओर भगवान श्रीराम जी के भक्तों द्वारा जलपान की व्यवस्था, आतिशबाजी, बम्ब पटाखे, प्रसाद वितरण के कार्यक्रम एवं शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा से जगह जगह स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़चढकर भाग लिया ।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्राचीन श्रीराम मंदिर शालीमार गार्डन से हनुमानजी के जन्मोत्सव पर विशाल शोभा यात्रा का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री श्री सुनील शर्मा ने रिबन काटकर किया। जय श्रीराम का झंडा दिखाकर शोभा यात्रा को प्रारंभ किया। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने सभी भक्तजनों को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस विशाल शोभा यात्रा में पार्षद कालीचरण पहलवान, हरिश्चंद्र शर्मा, पवन रेड्डी पूर्व पार्षद, मंडल अध्यक्ष अशोक भाटी, अजयचंद प्रधान, अशोक भाटी, पंडित राम किशोर शास्त्री जी, पार्षद किरण देवी, भोपाल यादव, कैलाश यादव, दीपक ठाकुर, मुन्ना सिंह, सोमनाथ चौहान, मुकेश यादव, हरीश खर्कवाल, सरवन ठाकुर, वीरपाल कटारिया, शिव गौड़, बिंदेश्वरी ठाकुर, भूषण जी, दीपक तोमर, धर्मेंद्र माथुर, दीपक मिश्रा, सोनू चौधरी, मनोज, संतोष, एस पी गुप्ता , बबली चौहान, उदयभान ठाकुर, नरेंद्र बघेल, सौरव गुप्ता, समाचार, पूजा माथुर, दीपक सैन, रघुवीर, अनिल सक्सेना, पावला जी, रामचरण प्रधान, एस के शर्मा जी, देवेंद्र कर्नल साहब, विष्णु जी, जयवीर तोमर, कल्लन भाटी, सुदीप शर्मा, अमर सिंह, जितेंद्र सैन, वेद प्रकाश शर्मा, विनोद, अनुज, धर्मपाल चौधरी, आर डी शर्मा, राहुल शर्मा, दीपक मौली, विजय गौतम पूर्व पार्षद, राजकुमारी पूर्व पार्षद, पंडित अशोक झा, योगेश माथुर, एस पी सिंह, कैलाश, रामपाल उपाध्याय, पंडित तारा चंद, पवन त्यागी, जगदीश, सुमीत, अशोक शिशोदिया, डॉक्टर कल्पना त्यागी, नरेंद्र, कैलाश भट्ट, डॉक्टर गुलशाद, साबू यादव, हरीश, यशपाल, टिंकू, सुधीर, मुकेश, राजेंद्र सोलंकी, अरुण चौधरी, रविन्द्र उपाध्याय, हर्ष चंदेला, नीतू भड़ाना, प्रमोद चौधरी, सुमीत, श्रीकान्त शर्मा, मुकेश खंडेवाल, दिनेश यादव, रवींद्र, डॉक्टर कुसुम, अरुण पाल, पिंटू , अमर, मनोज, जी बी एस भाना, बबलू, पूजा , ममता, मीरा, सुमन, बबली चौहान, रश्मि, प्रिया, बबीता, सविता इत्यादि समस्त क्षेत्रवासीगण यात्रा में रहकर सहयोग किया।

वो वाले विधायक जी क्यों कर रहे हैं विधानसभा में सर्जिकल स्ट्राईक

कभी एक दौर था जब विधायक टोला एक होकर चलता था। लखनऊ जाना है तो क्या कहना है, यहीं से तय हो जाता था। दिल्ली में माननीय जी के घर कितनी बात कहनी है वो यहीं तय होती थी। फौज वालों की लामबंदी में पूरा विधायक टोला एक था। लेकिन फौज वाले रवाना हो गये मगर यहां अब दूसरी फौजबंदी हो रही है। पॉवर सेंटरों का निर्माण हो रहा है। सीन अब तीन वाला चल रहा है और बीन इस बात की बज रही है कि जब हम उसकी विधानसभा में नहीं जा रहे तो वो महाराज रोज हमारी विधानसभाओं में क्यों आ रहे हैं। बताने वाले बता रहे हैं कि पहले तय था कि अपनी अपनी विधानसभा में आयेंगे और अगर दूसरे की विधानसभा में जाना पड़ा तो पहले विधानसभा के विधायक को सूचित करेंगे और फिर जायेंगे। लेकिन इन दिनों दो विधायक इस बात से परेशान हैं कि वो तीसरा विधायक क्यों हमारी विधानसभाओं में घूम रहा है। चलो पहले तो वो वाला बहाना था मगर अब क्या फसाना है जो हर दूसरे दिन किसी ना किसी बहाने से उन्हें हमारी विधानसभा में चले आना है।

जो कल तक उपेक्षित थे अब आप देखना वो ही अपेक्षित हो जायेंगे

भाजपा में अपेक्षित का अर्थ बखूबी समझा जाता है। अगर आप किसी मीटिंग में अपेक्षित नहीं है और फिर भी आप पहुंच गये तो फिर आपका उपेक्षित होना तय है। हालांकि ये परम्परा कई जगह बीते समय में शिथिल हुई है। मगर ध्वज प्रणाम वालों के यहां अभी भी इस परम्परा का कठोरता से पालन होता है। बीते दिनों संघ वाले स्कूल में कार्यक्रम था और फूल वाले पहुंच गये थे। यहां उन्हें भी अपेक्षित वाला रोल बता दिया गया था जो पैदा होते ही स्वयं सेवक हो गये थे। सरकार के मंत्री भी इसलिए नहीं गए थे क्योंकि वो अपेक्षित नहीं थे। मगर अब जो कार्यकाल आ रहा है उसमें उन्हीं चेहरों का भौकाल आ रहा है जो कल तक उपेक्षित थे। बताने वाले बता रहे हैं कि लाईन पार से लेकर साहिबाबाद तक आप नाम लिख कर ले लो कि उपेक्षित वाले अब अपेक्षित होंगे और जो अब तक अपेक्षित रहे हैं उन्हें कम से कम रेलवे फाटक वाले दफ्तर की तरफ जाते समय इस बात को माइंड में रखना चाहिए कि वो आपको रिमाईंड करा देंगे।

आईपीएल का सटोरिया थाने में बैठ कर करा रहा था कोतवाल के साथ समझौता

कहा तो ये जाता है कि पुलिस का नेटवर्क बहुत तेज होता है और उसे सब पता होता है कि कौन कितने पानी में है। इसलिए ठेकेदारों के करैक्टर को भी पुलिस ही वैरिफाई करती है। मगर अब शायद पुलिस स्लो चल रही है। तभी तो सट्टेबाज भी थानों में आकर बैठ रहे हैं। किस्सा एक थाने में जुड़े समझौते का है और बताते हैं कि आईपीएल वाले लाला यहां फैसले में आये। पूरे पंच बन रहे थे और कहानी का पंच ये है कि कोतवाल को इस बात की भी भनक नहीं थी कि लाला जी पुराने महारथी हैं। जबकि बाहर खड़े सिपाहियों को पता था कि हरे कृष्णा वाले लाला जी आईपीएल-11 के अच्छे प्लेयर हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर कौशांबी प्राचीन सनातन धर्म मंदिर के कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कौशांबी स्थित प्राचीन सनातन धर्म मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। सुंदरकांड के पाठ का आयोजन और उसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, पूर्व विधायक रूप चौधरी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं जीडीए बोर्ड के सदस्य पवन गोयल जी भी उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बजरंगबली से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। कार्यक्रम के संयोजक क्षेत्रीय पार्षद कुसुम गोयल एवं पूर्व पार्षद डॉ मनोज गोयल द्वारा तथा सभी सम्मानित व्यक्तियों का स्वागत सहसंयोजक देवेंद्र भार्गव एसएन सिंगला, सुनील गांधी, दीपक गुप्ता, राजन मल्होत्रा, नरेश मिगलानी, संजय बत्रा, सुदीप यादव, गोरा बोहरा, पवन मिश्रा, करवा के अध्यक्ष अजीत सिंह और उनकी पूरी टीम पप्पू चौपाल से राकेश उनकी टीम कौशांबी प्लॉट एरिया से और टावर एरिया से बड़ी संख्या में क्षेत्र के निवासियों ने भाग लिया।

खोड़ा में हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली शोभायात्रा

पूर्व चेयरमैन रीना भाटी ने की पुष्प वर्षा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। खोड़ा में रविवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विश्व हिंदू हितेषी संगठन द्वारा शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों बजरंगबली के भक्त शामिल हुए।

शोभायात्रा शनि मंदिर, खोड़ा से शुरू होकर लोधी चौक, सोम बाजार, इतवार बाजार, लोकप्रिय बिहार, मंगल बाजार से होकर राणा चौक, राज बिल्डर, चौधरी चरण सिंह गेट, कालू सीमेंट एजेंसी, वीर बाजार, साहिल चौक होते हुए गोकुलधाम गौशाला पर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष रीना भाटी बुलडोजर पर खड़े होकर शोभायात्रा में शामिल सभी भक्तों पर पुष्प वर्षा की। शोभा यात्रा में जगह-जगह भक्तों के लिए खान-पान की व्यवस्था भी बनाई गई थी। शोभा यात्रा में मुख्य रूप से केंद्रीय मंत्री गौ रक्षा विभाग विश्व हिंदू परिषद पवन मावी, संगठन के अध्यक्ष विकास मिश्रा, भरत मावी, भाजपा नेता बलराज डूंगर, पूर्व खोड़ा नगर पालिका अध्यक्ष रीना भाटी, , गोपाल कृष्ण अग्रवाल, साध्वी ज्योत्सना जी महाराज, राष्ट्रीय हिंदू रक्षा दल अध्यक्ष मनोज चौहान आदि सम्मानित भक्तों के साथ-साथ हजारों भक्त शामिल हुए।

मोदीनगर में हाईटेंशन लाइन से चिंगारी गिरी: ईंट भट्टे में भूसे के ढेर में लगी आग

मोदीनगर करंट क्राइम। मोदीनगर के गांव दौसा बंजारपुर में स्थित संगम ईंट भट्टे में रात करीब एक बजे एक बड़ी दुर्घटना हो गई। तेज हवा के कारण हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी भट्टे परिसर में रखे भूसे के ढेर में जा गिरी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की ऊंची लपटों को देखकर आसपास के लोग सड़क पर इकट्ठा हो गए। भट्टे के मालिक रजनीश कुमार ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने दो गाड़ियां मौके पर भेजीं। दमकल कर्मियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

पुलिस ने 1.1 करोड़ के 425 मोबाइल किए बरामद

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद सिटी जोन पुलिस ने गुम, चोरी व लूटे गए 425 मोबाइल को बरामद किया है। इनमें कई मोबाइल फोन कश्मीर, पुलवामा और साउथ इंडिया के जिलों में चलते पाए गए। उ्ढढ सिटी राजेश कुमार ने बताया कि इनमें 70 मोबाइल कोरियर से पुलिस को मिले हैं। बरामद किए गए इन मोबाइल फोन की कीमत 1 करोड़ 10 लाख रुपए है। इसमें सिटी जोन के सभी थाना प्रभारी, क्राइम ब्रांच को मोबाइल की बरामद क्यों के लिए लगाया गया था जिसमें कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मी भी लगाई गए। पुलिस ने सभी मोबाइलों को उनके स्वामियों को लौटा दिया है।

एक करोड़ 10 लाख रुपए कीमत के हैं मोबाइल

करंट क्राइम। डीसीपी सिटी राजेश कुमार ने बताया कि नगर जोन, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सभी थानों व सर्विलांस और स्वाट टीम द्वारा भिन्न-भिन्न कम्पनियों के कुल 425 मोबाइल बरामद किए गए हैं। इनकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 10 लाख रुपए है। रिकवर कर मोबाइल स्वामियों को लौटाए गए हैं। पुलिस ने जब इन मोबाइलों को ट्रेस किया तो इनमें कई मोबाइल कश्मीर और पुलवामा में चलते मिले। कुछ मोबाइल फोन हैदराबाद और साउथ इंडिया के दूसरे जिलों में भी मिले। 70 मोबाइलों को पुलिस द्वारा ट्रेस कर यूज कर रहे लोगों को कॉल किए जाने के बाद चलाने वाले लोगों ने कोरियर से गाजियाबाद पुलिस को भेजे है इसके बाद से कोई अपना काम करेंगे।

इंजीनियर पति ने शादी की सालगिरह पर किया था गिफ्ट

करंट क्राइम। गाजियाबाद के कविनगर निवासी नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। दिसंबर 2024 में उन्होंने शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी को 60,000 कीमत का एक मोबाइल फोन खरीद करके गिफ्ट किया था। जहां एक महीने बाद ही महिला जब शॉपिंग के लिए गई तो बाजार में मोबाइल गुम हो गया। इसके बाद पोर्टल पर मोबाइल की शिकायत की गई। अब पुलिस ने मोबाइल बरामद किया है। उन्होंने बताया कि 1 दिसंबर 2024 को गाजियाबाद स्टेशन से ऋषिकेश जा रही थी, तभी ट्रेन में मेरा मोबाइल गुम हो गया। एक सप्ताह पहले मुझे कॉल कर पुलिस ने बताया कि आपका मोबाइल मिल गया है।

मंडल अध्यक्ष आलोक शर्मा ने 'गांव चलो, वार्ड चलो' अभियान के तहत 8 साल की उपलब्धियां बताईं

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राजेंद्र नगर वार्ड 80 में 'गाँव चलो, वार्ड चलो' अभियान के अंतर्गत मंडल अध्यक्ष आलोक शर्मा व पूर्व पार्षद हेमलता शर्मा ने प्रदेश सरकार की 8 साल की उपलब्धि के पत्रक बांटे एवं चौपाल लगाई और स्वच्छता अभियान चलाया।

मंडल अध्यक्ष आलोक शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्षों एवं केंद्र सरकार के किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं भाजपा सरकार की ओर से चलाई जा रही जन लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया।

दीक्षा ग्रहण

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर बीके शर्मा हनुमान ने मां गंगा का स्नान कर जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनंत विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरि से दीक्षा ली। स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने करीब दस लाख नागा साधुओं को दीक्षा दी है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर ट्रक से टकराई कार: डेंटल कॉलेज के जनरल मैनेजर की मौत

जेवर करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा के जेवर में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। गाजियाबाद के मोदीनगर निवासी रोहित राज की कार ट्रक से टकरा गई। रोहित एक डेंटल कॉलेज में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। शनिवार रात को रोहित आगरा की तरफ यमुना एक्सप्रेसवे पर जा रहे थे। जेवर कोतवाली क्षेत्र में उनकी कार आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल रोहित को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है।

बैसाखी पर्व पर विधायक संजीव शर्मा ने किया आधार कार्ड एवं नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विजयनगर स्थित स्कूल में बैसाखी के पावन पर आधार कार्ड एवं नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन गाजियाबाद शहर विधायक संजीव शर्मा द्वारा रिबन काटकर किया गया। विधायक संजीव शर्मा ने बैसाखी के पावन पर्व की बधाई देते हुए राष्ट्रीय व्यापार मंडल द्वारा आयोजित जनहित के कार्य आधार कार्ड शिविर तथा नेत्र जांच शिविर जैसे पुनीत कार्य आयोजित करने की सराहना की। आधार कार्ड शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शहर विधायक संजीव शर्मा, जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय व्यापार मंडल बालकिशन गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप चौधरी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय बिंदल, डॉक्टर ओमवीर सिंह वीरवाल, भाजपा पार्षद कन्हैया लाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा आदि ने क्षेत्र की जनता से ज्यादा से ज्यादा आधार कार्ड बनवाने एवं नेतृत्व जांच करने की अपील की।

आधार कार्ड शिविर में डाक विभाग की टीम ने अपने अधिकारियों द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया तथा श्रेया आई सेंटर के स्टाफ ने सभी की जांच की इस कैंप में 18 वर्ष की आयु तक के नए आधार कार्ड बनाए गए तथा सभी उम्र के आधार कार्ड में सुधार में बदलाव किया गया प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चले इस कार्य में क्षेत्र की जनता ने बहुत लाभ उठाया। इसमें 100 से ज्यादा आधार कार्ड बनाए गए तथा अपडेट किए गए तथा 215 से ज्यादा लोगों ने नेत्र की जांच कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधायक संजीव शर्मा, बालकिशन गुप्ता, प्रदीप चौधरी, डॉक्टर संदीप बंसल, पंडित अशोक भारतीय, डॉक्टर ओमबीर सिंह वीरवाल, आशु पंडित, सौरभ यादव, संदीप त्यागी रसम, डॉक्टर विकास वीरवाल, रामबाबू शर्मा गुरुजी , अजय चोपड़ा , पूनम गुप्ता, अरुण कुमार, अशोक मरवा, वीरेंद्र मल्होत्रा, बलराम रावल, मोहम्मद सुलेमान अली और मनोज कुमार सहित राष्ट्रीय व्यापार मंडल तथा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का अभूतपूर्व सहयोग रहा।

राजनगर मंडल के वार्ड 71 में चलाया गया 'गांव चलो, वार्ड चलो' अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में चलाए जा रहे भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंडल ,वार्डों एवं बूथों पर चलाए जा रहे 'गांव चलो, वार्ड चलो' अभियान के अंतर्गत राजनगर मंडल में वार्ड 71 के बूथ अध्यक्षों और वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी ने पार्षद पप्पू नागर के साथ अभियान की शुरूआत बूथ अध्यक्षों के आवास पर पहुंचकर उनके सम्मान के साथ की।

इस दौरान महानगर मीडिया प्रभारी एवं बूथ अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, डॉ. सागर कश्यप सहित अन्य को उनके आवास पर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सभी ने मिलकर बूथों पर घर-घर संपर्क कर प्रदेश सरकार के 8 वर्षों के कार्यों का रिपोर्ट कार्ड सौंपा तथा वार्ड निवासी वरिष्ठ नागरिकों को 'वट वृक्ष' का प्रतीक मानकर विशेष सम्मान दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संपर्क अभियान चलाया गया, जिसमें सभी उपस्थित जनों को सरकार की आगामी आठ वर्षों की योजना से संबंधित पत्रक भी वितरित किए गए। इस मौके पर वार्ड अभियान संयोजक मनोज गिरी, मनीष पंवार, राजेश्वर यादव, विजय कोरी सहित मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही।

बैसाखी पर जलियांवाला बाग के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

जलियांवाला बाग हत्याकांड ने देश भर में आक्रोश को जन्म दिया : राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

नोएडा, करंट क्राइम। आर्य समाज अरुण विहार व सेक्टर 33 नोएडा में वैसाखी पर्व शहीद हुए बलिदानियों को रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आचार्य अजेंन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवाया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जलियांवाला बाग एक भीषण नरसंहार था और मानवता पर कलंक था इस काण्ड से पूरे भारत में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आक्रोश व्याप्त हो गया। आज उन बलिदानी यों को स्मरण कर राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेना चाहिए।

वैदिक विद्वान डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने हनुमान जयंती पर बधाई देते हुए कहा कि श्री हनुमान जी वेदों के प्रकांड विद्वान थे उनकी हर जगह पूछ थी लेकिन कोई पूंछ नहीं थी उनको वानर कहना उन का अपमान करना है। बहिन गायत्री मीना ने अपने महापुरुषों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया और कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम का कुशल संचालन आर्य नेता कर्नल कर्ण खरब ने किया व मंत्री कर्नल संजय खरबंदा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

न्यूज डायरी

ढाका में इस्राइल के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में शनिवार को इस्राइल के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिसमें लगभग एक लाख लोगों ने गाजा पट्टी में हो रही हिंसा की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने ढाका विश्वविद्यालय क्षेत्र स्थित सुहरावर्दी पार्क में इकट्ठा होकर फलस्तीनी झंडे लहराए और फ्री पैलेस्टाइन के नारे लगाए। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पुतलों को पीटा गया। प्रदर्शन में गाजा में मारे गए नागरिकों के प्रतीकात्मक ताबूत और चित्र भी दिखाए गए। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और इस्लामवादी संगठनों ने भी इस रैली को समर्थन दिया। 17 करोड़ आबादी वाले इस मुस्लिम बहुल देश ने इस्राइल के साथ कूटनीतिक संबंध नहीं रखे हैं। बांग्लादेश - फलस्तीन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। बीएनपी नेता व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थकों ने कहा कि गाजा में निर्दोषों की मौत मानवता के खिलाफ अपराध है। प्रदर्शनकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से फलस्तीनियों के अधिकारों की रक्षा की मांग की।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पेट दर्द के चलते अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

ब्राजील। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो को पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें उत्तर-पूर्वी ब्राजील से राजधानी ब्रासीलिया मेडिकल विमान से स्थानांतरित किया जाएगा। बोल्सोनारो को शुक्रवार सुबह उस वक्त पेट में तेज दर्द हुआ जब वे उत्तर-पूर्वी ब्राजील के दौरे पर थे। डॉक्टरों ने बताया कि यह दर्द आंतों में रुकावट (बॉवेल ऑब्स्ट्रक्शन) की वजह से हुआ है, जो साल 2018 में चुनाव प्रचार के दौरान पेट में चाकू लगने की घटना से जुड़ी दीर्घकालिक समस्याओं का नतीजा है। पूर्व राष्ट्रपति पर 2018 में एक चुनावी रैली के दौरान हमला हुआ था, जिसमें उनके पेट में गंभीर चोट आई थी। उस हमले के बाद से वे कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 2019 से 2022 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई सर्जरी करवाई थीं।

इस्राइली सेना ने मोराग कॉरिडोर को कब्जे में लिया, राफा शहर का खान यूनिस से संपर्क कटा

गाजा पट्टी। इस्राइली सैन्य बल (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा पट्टी में मोराग कॉरिडोर पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया है। साथ ही सेना ने राफा शहर को खान यूनिस से से काट दिया है। आईडीएफ की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उसने राफा को अब पूरी तरह से घेर लिया है। उसकी 36वीं डिवीजन ने मोराग कॉरिडोर को नियंत्रित में ले लिया है। गाजा डिवीजन मिस्र-गाजा सीमा पर फिलाडेल्फिया गलियारे में काम कर रही है। सेना ने घोषणा की कि वह अब राफा के अंदर अपने अभियान का विस्तार उन क्षेत्रों तक करेगी, जहां उसे अभी भी बचे हुए हमास आतंकवादियों को खत्म करना है। बता दें कि आईडीएफ ने लगभग दो सप्ताह पहले राफा में नागरिकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की थी।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धः बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश के विदेश सचिव एमडी जाशिम उद्दिन ने हाल ही में बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के बीच हुई मुलाकात को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बैठक में पीएम मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताओं को रेखांकित किया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और उनके खिलाफ अत्याचारों की गहन जांच की जाएगी। विदेश सचिव उद्दिन ने आश्वासन दिया कि बांग्लादेश अपनी धरती पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम अपने नागरिकों को लेकर किसी भी तरह की हिंसा या धमकी को बर्दाश्त नहीं करते। हमें अपनी जिम्मेदारियों का पूरा अहसास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेताओं की इस मुलाकात से दोनों देशों के रिश्तों में आई खटास को दूर करने में मदद मिलेगी। उद्दिन ने कहा, हम उच्च राजनीतिक स्तर पर मुलाकात को दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक दोनों नेताओं के लिए पहली व्यक्तिगत मुलाकात थी। मैं इसे एक महत्वपूर्ण कदम मानता हूं, जो हमारे रिश्तों पर छाए बादलों को हटाने और आगे बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने भारत के साथ खुले संवाद और सहयोग पर जोर देते हुए हाल के उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को भी रेखांकित किया।

डीओजीई के कर्मचारी को ट्रेजरी विभाग की संवेदनशील जानकारी तक पहुंच की अनुमति

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क की एक जज ने एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) पर लगी एक रोक में ढील दी है। डीओजीई को अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने की अनुमति नहीं है। हालांकि, जज जेनेट ए. वर्गास ने शुक्रवार को कहा कि डीओजीई के कर्मचारी रयान वंडरली को ट्रेजरी विभाग के संवेदनशील भुगतान और डाटा प्रणाली तक पहुंचने की अनुमति दी जा सकती है, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ खास प्रशिक्षण लेना होगा, जैसाकि ट्रेजरी विभाग के अन्य कर्मचारियों को मिलती है। साथ ही उन्हें बाद में अपनी वित्तीय जानकारी भी देनी होगी। यह अनुमति ऐसे समय में दी गई है, जब हाल ही में 19 डेमोक्रेट राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने गोपनीयता के मुद्दों को लेकर डीओजीई के खिलाफ मामला दायर किया है। उन्होंने दावा किया था कि मस्क की डीओजीई टीम में राजनीतिक नियुक्तियां हुई हैं, जिनकी ट्रेजरी विभाग के रिकॉर्ड तक पहुंच नहीं होनी चाहिए।

यूएई से मुंबई, कन्नूर के लिए 15 मई से दैनिक उड़ानें शुरू

यूएई के फुजैराह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने भारत की इंडिगो एअरलाइन के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। जिसके तहत 15 मई से मुंबई और कन्नूर के लिए दो सीधी दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी। यह नई साझेदारी फुजैराह अमीरात और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प और नए गंतव्यों तक आसान पहुंच प्रदान करती है। इससे संपर्क सुधरेंगे।

भारतीय संस्कृति के प्रचार के लिए मोदी ने की चीनी विद्वान वांग की तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के प्रतिष्ठित विद्वान और भारत-प्रेमी प्रोफेसर वांग झीचेंग को योग, वेदांत और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को चीन में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों के लिए सराहना की। भारतीय कॉन्सुल जनरल प्रतीक माथुर ने बृहस्पतिवार को हांगझू स्थित झेजियांग यूनिवर्सिटी में आयोजित एक समारोह में पीएम मोदी का पत्र प्रोफेसर वांग को सौंपा। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में प्रोफेसर वांग के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय दर्शन, विशेष रूप से योग और वेदांत, को चीन में समझने-समझाने का उल्लेखनीय कार्य किया है। पीएम मोदी ने लिखा, आपके प्रयासों ने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण किया है।

9 मई को भारत के कई शहरों में विजय दिवस मनाएगा रूस पीएम मोदी मॉस्को आमंत्रित

मास्को। रूस ने 9 मई को विजय दिवस के अवसर पर दिल्ली समेत भारत के कई शहरों में कार्यक्रमों की योजना बनाई है, साथ ही मास्को में भव्य समारोह आयोजित किए जाएंगे। रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने शनिवार को कहा, इस साल विजय दिवस विशेष है। यह द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत संघ की नाजी जर्मनी पर जीत की 80वीं वर्षगांठ को चिह्नित करता है। रूस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। अलीपोव ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, हम मॉस्को में 9 मई को बड़े समारोह आयोजित करेंगे और हमें उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने में खुशी होगी। यदि रक्षा मंत्री आएंगे तो उनका स्वागत होगा।

अभी अस्पताल में भर्ती रहेंगे ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो को शुक्रवार को पेट में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभी भी उनकी हालत में पूरी तरह से सुधार नहीं हुआ है और वे अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि पेट दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और यह समस्या उन्हें साल 2018 में हुए हमले के चलते हुई है। हमले के बाद से ही बोल्सोनारो की तबीयत पूरी तरह से ठीक नहीं है और वे कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने बताया कि उनकी एक और सर्जरी करने की जरूरत पड़ सकती है।

फंडिंग रुकने पर अमेरिकी न्यूज चैनल ने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

अमेरिका के अरबी भाषा के न्यूज चैनल ने फंडिंग रुकने पर अपने अधिकतर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। अमेरिका के इस अरबी भाषा के न्यूज चैनल की पश्चिम एशिया, उत्तरी अफ्रीका के देशों में काफी दर्शक हैं। टीवी चैनल का दावा है कि इन देशों में करीब तीन करोड़ लोग उनका चैनल देखते हैं। न्यूज चैनल अल-हूरा ने शनिवार को अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।

कांगो के पूर्वी हिस्से में फिर हिंसा, 50 से ज्यादा मौतें

एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे सरकार और विद्रोही

कांगो। कांगो के पूर्वी हिस्से में हाल ही में हुई हिंसा में कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई है। यह हमला शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हुआ। यह क्षेत्र पहले से ही संघर्ष और हिंसा की मार झेल रहा है। अब एक बार फिर सरकार और विद्रोही गुट एम-23 एक-दूसरे पर हमले का दोष लगा रहे हैं। शुक्रवार रात से लेकर शनिवार सुबह तक गोमा शहर और उसके आसपास गोलियों और बम धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। स्थानीय निवासी अंबोमा सफारी ने बताया कि उनका परिवार पूरी रात अपने बिस्तर के नीचे छिपकर रहा क्योंकि बाहर से भयंकर गोलाबारी की आवाजें आ रही थीं। उन्होंने बताया कि सुबह उन्होंने सैनिकों के शव देखे, लेकिन यह पहचानना मुश्किल था कि वे किस पक्ष से थे।

शांति प्रयास के बीच बढ़ती हिंसा और खतरा

यह घटना उस समय हुई है जब कतर और अफ्रीकी देश शांति स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह हमला इन प्रयासों पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। कांगो और एम23 के बीच संघर्ष कोई नया नहीं है, यह दशकों पुराना विवाद है। लेकिन इस साल जनवरी में हालात और ज्यादा बिगड़ गए जब एम23 ने गोमा शहर पर कब्जा कर लिया था। फरवरी में उन्होंने बुकावू नाम के एक और महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा कर लिया।

इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार?

इस घटना को लेकर सरकारी बलों और एम23 विद्रोहियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। कांगो सरकार का कहना है कि यह हमला एम23 विद्रोहियों ने किया है। वहीं एम23 के प्रवक्ता लॉरेंस कण्युका ने कहा कि यह हमला कांगो की सेना और उसके स्थानीय सहयोगी मिलिशिया के संयुक्त अभियान का नतीजा है। उनका दावा है कि सरकार की ये सैन्य कार्रवाइयां स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी हैं, और अब एम23 को भी अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ेगा।

कांगो में हालात कितने खराब?

अब तक इस संघर्ष में लगभग 3,000 लोगों की जान जा चुकी है। करीब 70 लाख लोग बेघर हो चुके हैं, जो इसे दुनिया के सबसे बड़े मानवीय संकटों में से एक बना रहा है। सिर्फ इस सप्ताहांत में ही 52 लोगों की मौत हो चुकी है। यहां तक कि एक व्यक्ति की गोली लगने से गोमा के अस्पताल के अंदर ही मौत हो गई।

लोगों में डर का माहौल

नॉर्थ किवू प्रांत, जहां गोमा स्थित है, के एक सामाजिक नेता क्रिश्चियन कालामो ने बताया कि शनिवार को सड़कों पर शव पड़े मिले, लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि वे एफएआरडीसी (सरकारी सेना), एम23 या किसी और मिलिशिया के थे। उन्होंने कहा, 'अब हमें नहीं पता कि आगे क्या होगा। हम डर के साथ जी रहे हैं कि कहीं फिर से युद्ध न छिड़ जाए।'

ट्रंप के ताजा आदेश से अप्रवासियों की और बढ़ी मुश्किलें, अब 24 घंटे पहचान पत्र रखना हुआ जरूरी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम से अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। दरअसल अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज और पहचान पत्र साथ रखने होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का नया कार्यकारी आदेश 'अतिक्रमण से अमेरिकी लोगों की सुरक्षा' 11 अप्रैल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को पकड़ना और उन्हें निर्वासित करना है।

कानूनों का सख्ती से होगा पालन

अमेरिका में एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट कानून साल 1940 से मौजूद है, जिसके तहत अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों को पंजीकरण कराना होता है, लेकिन अभी तक इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो रहा था। अब ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश के बाद इस कानून का सख्ती से पालन किया जाएगा। व्हाइट हाउस की सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान जारी कर कहा है कि 'सभी अवैध अप्रवासी, जो 30 दिन से ज्यादा अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें खुद को संघीय सरकार के समक्ष पंजीकृत कराना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और जुमार्ना लगाकर निर्वासित कर दिया जाएगा।'

पाम संडे के अवसर पर रूस के हमले से दहल उठा यूक्रेन का सुमी शहर, मिसाइल हमले में 20 लोगों की मौत

यूक्रेन। रूस और यूक्रेन के बीच जारी खुनी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और घातक होता हुआ जा रहा है। जहां रूस ने रविवार को एक और मिसाइल हमला कर यूक्रेन के सुमी शहर में तहलका मचा दिया। रूस द्वारा किए गए इस हमले में 20 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। बता दें कि यह हमला उस समय हुआ जब स्थानीय लोग पाम संडे का त्योहार मनाने के लिए जमा हुए थे।

मेयर आर्टेम कोबजार ने दी जानकारी

रूसी हमले को लेकर जानकारी देते हुए सुमी शहर के कार्यवाहक मेयर आर्टेम कोबजार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि पाम संडे के पवित्र दिन पर हमारे शहर ने एक भयानक त्रासदी देखी है। रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के बीचोंबीच दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने हमला किया, जिससे बड़ी संख्या में लोग मारे गए और कई घायल भी हुए। फिलहाल, घायलों का इलाज जारी है और राहत कार्य चल रहे हैं। शहर में माहौल दुखद और तनावपूर्ण है।

रूसी हमले में भारतीय दवा कंपनी को निशाना बनाने का दावा

हालांक इससे पहले यूक्रेनी दूतावास ने शनिवार को जानकारी दी कि रूस की ओर से दागी गई एक मिसाइल ने भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम को निशाना बनाया। दूतावास ने कहा कि भारतीय व्यापारिक हितों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया है।

जानबूझकर हमला करने का आरोप

नई दिल्ली स्थित यूक्रेनी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि मॉस्को जानबूझकर भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है और बच्चों व बुजुर्गों के लिए बनी दवाओं को नष्ट कर रहा है। दूतावास ने कहा, आज रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम पर हमला किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यूक्रेनी दूतावास ने कहा, रूस भारत के साथ विशेष मित्रता का दावा करता है, लेकिन भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनी दवाओं को नष्ट कर रहा है। तत्काल अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

जंग खत्म करना एक चुनौती

गौरतलब है कि यह हमला उस समय हुआ जब रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में हुए एक अस्थायी समझौते के बाद दोनों देश ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने की बात कर रहे थे। लेकिन रूस के इस मिसाइल हमले ने दिखा दिया कि तीन साल से चल रहे युद्ध को खत्म करना अभी भी कितना मुश्किल है।

नेपाल के बीरगंज में हिंसा के बाद कैसे हैं हालात? पत्थरबाजी-आगजनी के बाद लगाना पड़ा था कर्फ्यू

काठमांडू। नेपाल में बीते दिन हुए बवाल के बाद रविवार को हालात तनावपूर्ण हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सुरक्षा बल तैनात हैं। लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और जरूरत न होने पर घरों से बाहर न निकलने की अपील की जा रही है। इस बीच पुलिस ने उपद्रवियों की पहचान करना शुरू कर दिया है। इससे पहले हिमालयी राष्ट्र के बीरगंज में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर निकाली गई शोभा यात्रा के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान बीरगंज के छपैया इलाके में तनाव फैल गया था। उपद्रवियों ने इलाके में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की थी। हालात पर काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। स्थिति बेकाबू होता देख कर्फ्यू का आदेश जारी करना पड़ा था।

जुलूस के दौरान जगह-जगह पर धार्मिक सभाओं का आयोजन किया गया था, जिन पर कथित तौर पर पथराव किया गया। इस वजह से लोगों के बीच टकराव शुरू हो गया।

पुलिस ने कहा, 'जुलूस के घंटाघर इलाके से महानगर के अन्य प्रमुख हिस्सों की ओर बढ़ने के दौरान हुए विवाद के दौरान कुछ पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग घायल हो गए।' पुलिस ने व्यवस्था बहाल करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। तनाव बढ़ने के साथ ही बीरगंज में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कर्फ्यू आदेश के तहत मध्य बीरगंज में लोगों की आवाजाही, रैलियां, बैठकें, विरोध प्रदर्शन और सभाएं आयोजित करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कई पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग घायल

दरअसल, बीते दिन हनुमान जयंती के जुलूस के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद शनिवार को नेपाल के पारसा जिले के बीरगंज नगर पालिका में कर्फ्यू लगा दिया गया था। घटना में कई पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग घायल हुए थे।

भारतीय सीमावर्ती शहर रक्सौल के पास स्थित बीरगंज में कर्फ्यू

जिला प्रशासन कार्यालय ने भारतीय सीमावर्ती शहर रक्सौल के पास स्थित बीरगंज के मध्य भाग में शनिवार शाम 6.30 बजे से रविवार दोपहर तक कर्फ्यू लगा दिया। जिला प्रशासन कार्यालय ने एक नोटिस में कहा, 'हनुमान जन्मोत्सव समारोह के दौरान तनाव बढ़ने के कारण बीरगंज महानगर के वार्ड नंबर 14, 15, 16 और 25 में शनिवार शाम 6.30 बजे से रविवार दोपहर 12 बजे तक कर्फ्यू आदेश जारी किया गया है।'

कार्यशाला में घुसकर हाथ-पैर बांधे फिर अंधाधुंध की गोलीबारी; ईरान में आठ पाकिस्तानी कर्मचारियों की हत्या

ईरान। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के आठ कामगारों की बेरहमी से हत्या कर दी। समाचार एजेंसी पीटीआई ने डॉन अखबार की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बर्बर वारदात शनिवार को मेहरिस्तान जिले के एक गांव में हुई।

ईरानी अधिकारियों ने पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या की वारदात की पुष्टि भी कर दी है। मृतक बहावलपुर के रहने वाले थे और एक कार मरम्मत की दुकान पर काम करते थे। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि मारे गए सभी आठ पाकिस्तानी दक्षिणी पंजाब के बहावलपुर शहर के थे। वे एक कार्यशाला में रह रहे थे, जहां वे कारों की डेंटिंग, पॉलिश, पेंटिंग और मरम्मत का काम करते थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, अज्ञात हथियारबंद लोग रात में कार्यशाला में घुस आए और उनके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी की और उन्हें मार डाला। हमलावर आठ पाकिस्तानी कामगारों की हत्या करने के बाद वहां से भाग निकले। दुखद घटना की सूचना मिलने के बाद ईरानी पुलिस मौके पर पहुंची।

बीएनए ने ली जिम्मेदारी

प्रतिबंधित बलूचिस्तान नेशनल आर्मी (बीएनए) के प्रवक्ता ने आठ पाकिस्तानियों की हत्या की जिम्मेदारी ली। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी पुलिस घटना की जांच कर रही है। सिस्तान बलूचिस्तान में यह दूसरी ऐसी घटना थी। पिछले साल जनवरी में हथियारबंद लोगों ने सरवन शहर में नौ पाकिस्तानियों की हत्या कर दी थी, जो ईरान में मोटर मैकेनिक के तौर पर काम कर रहे थे और एक वर्कशॉप में रह रहे थे।

पाकिस्तान और ईरान के बीच तनाव की वजह क्या?

पाकिस्तान और ईरान के स्थानीय समूह बलूचिस्तान में आजादी के लिए दशकों से चल रहे संघर्ष का हिस्सा हैं। पिछले साल जनवरी में ईरान ने पाकिस्तान पर हमला किया था। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरानी क्षेत्र में मिसाइल हमला किया, जिससे सीमा पर तनाव बढ़ गया था। ईरान ने दावा किया कि वह ईरान के खिलाफ सक्रिय आतंकवादी समूह जैश अल-अदल को निशाना बना रहा था, जबकि पाकिस्तान ने कहा कि वह ईरान के अंदर दो आतंकवादी समूहों बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के ठिकानों को निशाना बना रहा था। पाकिस्तान का बलूचिस्तान लंबे समय से उग्रवाद और अशांति से जूझ रहा है।

पाकिस्तान में आबकारी पुलिस के मोबाइल दस्ते पर हमला, चार की मौत

इस बीच पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने आबकारी पुलिस के मोबाइल दस्ते पर गोलीबारी की, जिसमें एक सब-इंस्पेक्टर समेत चार लोगों की मौत हो गई। बंदूकों ने नौशेरा जिले के तारू जब्बा में मुख्य जीटी रोड पर आबकारी पुलिस के मोबाइल दस्ते को निशाना बनाया। गोलीबारी में एक सब-इंस्पेक्टर, दो कांस्टेबल और एक गोताखोर समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद हमलावर मौके से भाग गए। इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

इस्राइल ने गाजा के अस्पताल पर किया जोरदार हमला

गाजा। हमास के साथ जारी जंग के बीच इस्राइल ने एक बार फिर रविवार को गाजा के एक अस्पताल पर जोरदार हमला किया। इस्राइल द्वारा किए गए इस हमले से मरीजों को अस्पताल छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। यह हमला गाजा शहर के अल-अहली अस्पताल पर किया गया, जिसे इजरायली सेना ने हमास का ठिकाना बताया है।

इस हमले को लेकर जानकारी देते हुए गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अस्पताल पर हमला सुबह होने से पहले हुआ, जिसके बाद तुरंत वहां से मरीजों और स्टाफ को निकाला गया। इस निकासी के दौरान एक मरीज की मौत हो गई क्योंकि डॉक्टर समय पर इलाज नहीं कर पाए।

हमले से पहले इस्राइल ने दी थी चेतावनी

वहीं अल-अहली अस्पताल के निदेशक डॉ. फडेल नैम ने बताया कि उन्हें पहले ही हमले की चेतावनी मिल गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि आपातकालीन कक्ष, फामेर्सी और अन्य इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। इससे 100 से ज्यादा मरीज और दर्जनों मेडिकल कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। साथ ही इस्राइल ने हमले को लेकर बयान जारी कर बताया कि उसने हमले से पहले लोगों को सावधान किया था, और नुकसान कम करने के लिए सटीक हथियारों और हवाई निगरानी का इस्तेमाल किया। दूसरी ओर हमले के कुछ घंटों बाद मध्य गाजा के देयर अल-बला इलाके में एक कार पर अलग हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। इसको लेकर इस्राइल ने दावा किया कि अस्पताल में हमास का कमांड सेंटर था, जिससे इस्राइली नागरिकों और सैनिकों पर हमले की योजना बनाई जा रही थी।

बता दें कि इससे पहले इस्राइली रक्षा मंत्री ने पहले ही कहा था कि गाजा में सैन्य कार्रवाई और तेज की जाएगी और लोगों को लड़ाई वाले इलाकों से निकलने की सलाह दी गई थी। साथ ही इस्राइल द्वारा जारी बयान में ये भी बताया गया कि हमने गाजा के दक्षिणी हिस्से राफा को बाकी गाजा से काटने वाला मोराग कॉरिडोर पूरा कर लिया है और अब वह पूरे गाजा में अपनी कार्रवाई तेज करेगा।

इस्राइल लगातार हमले से हमास पर बाकी बंधकों को छोड़ने का दबाव बना रहा है। माना जा रहा है कि हमास के पास अभी 59 बंधक हैं, जिनमें से 24 के जीवित होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को तब शुरू हुआ था जब हमास के हमले में 1,200 इजरायली मारे गए और 250 को बंधक बना लिया गया था। जवाबी कार्रवाई में अब तक गाजा में 50,000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में 'गाजियाबाद मैराथन 2025' हुई सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 'गाज़ियाबाद मैराथन 2025 (अखंड भारत हेतु दौड़)' का ऐतिहासिक, उत्साहपूर्ण और भव्य आयोजन आज अखंड भारत मिशन के तत्वावधान में तथा पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में राजनगर एक्सटेंशन स्थित आयोजन स्थल पर सम्पन्न हुआ। चार हजार से अधिक धावकों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को अभूतपूर्व बना दिया, जिसने पूर्व सभी कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए एक नया इतिहास रच डाला। यह आयोजन 'स्वस्थ भारत : अखंड भारत' के संकल्प के साथ राष्ट्रप्रेम और स्वास्थ्य जागरूकता को एक साथ जोड़ते हुए एक जनआंदोलन के रूप में सामने आया। दौड़ की शुरूआत सेंट्रल एवेन्यू विपणन परिसर से हुई और समापन के. डब्ल्यू. दिल्ली 6 विपणन परिसर पर हुआ, जिससे पूरे आयोजन को विशेष गरिमा प्राप्त हुई।

पूज्य सुनील कौशल महाराज और नवनीत प्रिय दास महाराज की पावन उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जाओं से भर दिया। गाज़ियाबाद वासियों ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में पूरे जोश और श्रद्धा से भाग लिया।

इस अवसर पर कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को गौरवान्वित किया जिनमें प्रमुख रूप से उमेश (प्रांत संगठन मंत्री, क्रीड़ा भारती), राहुल गोयल (सदस्य, भारतीय खाद्य निगम), गुलशन भांबरी, संजय गुसाईं, योगेश कुमार, वी.के. अग्रवाल, हेमंत त्यागी (मंडल अध्यक्ष, भाजपा), सुमन लता पाल (पार्षद), नितिन त्यागी, वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि राज कौशिक, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, देवेंद्र हितकारी, जिला पंचायत सदस्य पवन सहलोत, आयुष त्यागी काकड़ा, सुबोध त्यागी, संजय त्यागी, राज मोहन गोयल, संदीप वर्मा, हिमांशु शर्मा, आरिफ चौधरी, नितिन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अखंड भारत मिशन की समर्पित टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने में अतुलनीय भूमिका निभाई। संस्थापक अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में मृदुल महेश (संयोजक), संदीप शर्मा (कोषाध्यक्ष), शुभम गर्ग (उपाध्यक्ष), आनंद द्विवेदी (संगठन मंत्री), प्रो. राजपाल त्यागी, पवन योगी, महिला उपाध्यक्ष दीपा सिरोही, महिला टीम अध्यक्ष सीमा गोयल, निपुण त्यागी, प्राची मिश्रा, नितिका शुक्ला, सिमरन रंधावा, नीलम शर्मा, रितु गुप्ता, शशि श्रीवास्तव, प्रवीण त्यागी, बृजमोहन शर्मा, एम. पी. शर्मा, रणवीर प्रधान (संरक्षक), अशोक प्रधान, कमल शर्मा, के.के. पांडेय, निखिल त्यागी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष), अंकित बेलवाल, संजय तारिका, हरीश पंडित, आर.पी. शर्मा, राजबीर त्यागी, मीत तरिका, रोहित आर्य, और अधिवक्ता संजय शर्मा सहित पूरी टीम का योगदान सराहनीय रहा।

आयोजन की सफलता में अनेक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। सेंट्रल एवेन्यू की ओर से दीपक शर्मा, संजय गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, निखिल त्यागी और उनकी टीम तथा के.डब्ल्यू. दिल्ली 6 की ओर से प्रबंध निदेशक पंकज जैन और उनकी टीम ने आयोजन को सशक्त समर्थन प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त, डिकैथलोन, एचआरआईटी विश्वविद्यालय, स्मार्ट डेन, वेब पंडित, यशोदा अस्पताल, वर्दान हॉस्पिटल, समरकूल, एस आर समूह, श्री एम प्रॉपर्टी बाजार, गृह प्रवेश, एमएमए जिम, बिग स्माइल फाउंडेशन तथा फिट प्लस हेल्थ टीम जैसे सहयोगी संस्थानों ने आयोजन को उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

क्रीड़ा भारती ने आयोजन को एक जन-जागरूकता अभियान बनया

करंट क्राइम। क्रीड़ा भारती ने इस आयोजन को एक जन-जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य चेतना और राष्ट्रप्रेम से परिपूर्ण जनांदोलन का स्वरूप प्रदान किया। यह मैराथन केवल एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक प्रेरणास्रोत बनकर उभरी, मैराथन में मेडिकल एवं आयुष्मान कैंप जैसे विभिन्न व्यवस्थाएं भी की गई। 'अखंड भारत हेतु दौड़' का उद्घोष प्रत्येक धावक के कदमों के साथ गूंजता रहा, और गाज़ियाबादवासियों ने इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने गुरुद्वारा में मत्था टेका

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा जब चुनाव लड़ रहे थे तो आखिरी दिन जो रोड शो निकाला गया था। शहर में रोड शो की शुरुआत भी गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से हुई थी। जीतने के बाद गुरु साहब में माथा टेककर शुकराना किया और संगत का भी आभार व्यक्त किया। शहर विधायक संजीव शर्मा ने वैसाखी के पावन पर्व पर शहर के कई गुरुद्वारों में जाकर मत्था टेका। शहर और प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की और सिख संगत को बधाई दी। गुरुद्वारे में बैठकर शबद कीर्तन का श्रवण भी किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने शहर विधायक सजीव शर्मा का कृपाण एवं सरोपा भेंट कर सम्मान किया। रविवार को पूरे देश के अंदर बैसाखी का पर्व मनाया गया। बैसाखी के पर्व का बहुत ही महत्व है सिख धर्म में। इस कड़ी में गाजियाबाद गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तैयारी में गुरुद्वारा कमेटी के महासचिव एसपी सिंह ओबरॉय की कई दिन से लगातार अपनी टीम के साथ लगे हुए हैं। वीर खालसा दल के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह ओबरॉय, जगमोहन कपूर विशेष सहयोग कर रहे थे।

अखंड पाठ की समाप्ति के बाद निरंतर कीर्तन चला जिसमें विशेष तौर से कीर्तन करने के लिए सिख धर्म के महान कीर्तनीय भाई साहब नरेंद्र सिंह जी (फतेहगढ़ साहिब से आए थे) इससे पहले कथावाचक हरभजन सिंह जी ने भी सिख इतिहास को संगत को बताने का काम किया।

शहर कोतवाली के इंचार्ज अनुराग शर्मा ने गुरु घर में मत्था टेका

करंट क्राइम। शहर कोतवाली के इंचार्ज अनुराग शर्मा ने भी गुरु घर में माथा टेकने के लिए पहुंचे। गुरुद्वारा सिंह सभा की कमेटी ने कोतवाली का सुंदर संचालन करने के लिए पीड़ित लोगों की समस्या हल करने में सहयोग करने के लिए गुरुद्वारा गुरु सभा की तरफ से सम्मान भी किया।

दोपहर 2 बजे समाप्ति के बाद गुरु का लंगर चलता रहा

करंट क्राइम। बैसाखी के पर्व में आज हमारे कई मेहमान गुरु घर में माथा टेकने के लिए गुरु संगत के दर्शन करने के लिए विशेष तौर से पहुंचे जिनको गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया। विशेष तौर से (शहर विधायक संजीव शर्मा/एसीपी सिटी रितेश त्रिपाठी /शहर कोतवाल अनुराग शर्मा)। कुछ लीडर कांग्रेस की तरफ से समाजवादी पार्टी की तरफ से भी दर्शन करने के लिए पहुंचे गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पहुंचे। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के चेयरमैन सरदार हरमीत सिंह, प्रधान इंद्रजीत सिंह टीटू, महामंत्री एसपी सिंह ओबेरॉय, वीर खालसा दल के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह, ओबेरॉय सेक्रेटरी जगमोहन कपूर आरपी सिंह शेरा भाई रितेश कसाना आदि।

बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती पर 'स्वाभिमान-स्वमान समारोह' आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार संविधान निर्माता, भारत रत्न से अलंकृत श्रद्धेय बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के जयंती के पावन अवसर पर स्वाभिमान-स्वमान समारोह अम्बेडकर पार्क मटियाला में आयोजित किया गया। जिसमें संदीप जाटव पूर्व प्रधान मटियाला एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा ने समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा से प्रभावित होकर सैकड़ों लोगों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के द्वारा संदीप प्रधान को बाबा साहब वाहिनी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से फैसल हुसैन एडवोकेट जिलाध्यक्ष, वीरेंद्र यादव एडवोकेट महानगर अध्यक्ष, असलम चौधरी पूर्व विधायक धौलाना, विशाल वर्मा पूर्व प्रत्याशी सदर विधानसभा, राजन कश्यप महानगर महासचिव, राजबीर सिंह जिला अध्यक्ष एस.सी प्रकोष्ठ, गुल मोहम्मद मंसूरी राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक सभा, वसीम चौधरी जिला सचिव, दरोगा प्रसाद ,हुकुम सिंह प्रधान, हरि पंडित समाजवादी पार्टी जनपद गाजियाबाद आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर के विचारों को जनजन तक पहुंचाएं: पंडित अमरपाल शर्मा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सपा के राष्ट्रीय अखिलेश यादव के नेतृत्व के निर्देश पर रविवार को राजेंद्र नगर स्थित कार्यालय पर पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा के कार्यक्रम मान-सम्मान-स्वाभिमान कार्यक्रम के साथ केके काट कर डॉ आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई ।

इस दौरान सपा पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा, जिला अध्यक्ष फैजल हुसैन, महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के साथ कार्यकताओं ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित ओर उनके विचारों को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस मौके पर काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूर्व विधायक पंडित अमरपाल शर्मा ने कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल तक समाजवादी पार्टी कार्यक्रमों के जरिए बाबा साहब के विचारों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकार संविधान को लगातार कमजोर कर रही है। जिस संविधान में पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों के साथ ही असहाय वर्ग के लिए अधिकार व हक दिए गए हैं। सरकार की गलत नीतियों के कारण संकटकाल से गुजर रहा है। एक तरफ बेरोजगारी बढ़ रही है।

वहीं दूसरी ओर बढ़ती महंगाई ने गरीब व मध्यम वर्ग की कमर तोड़ने का काम किया है। कहा कि आज जिन विषम परिस्थितियों ने आम आदमी, दलित व पिछड़ों को जकड़ रखा है उसे मुक्ति पाने के लिए बाबा साहब का अनुसरण जरूरी है। आह्वान किया कि लोग अपने हक और अधिकार को जाने और उसे पाने के लिए संघर्ष करें, तभी कमजोरों का दमन व उत्पीड़न रूकेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष फैजल हुसैन, विशिष्ट अतिथि वीरेंद्र यादव व राम अवतार जाटव ने मंच संचालन किया।

इस अवसर पर डीके शर्मा, लाल सिंह जाटव, महेंद्र जाटव, सतीश जाटव, आजाद सिंह जाटव, रमेश सिंह प्रेमी, ओम प्रकाश, ओपी गौतम, महेंद्र सिंह, नरेश वर्मा, जयपाल, संजय, अल्पसंख्यक मोर्चे के जिला अध्यक्ष हाजी नूर हसन चौधरी, मुनेश, अवतार सिंह, राजन कश्यप, रामवीर, हरीश, सुनील झा, सचिन शर्मा, आश मोहम्मद अल्वी, बिजेंदर, मुकेश, अनिल, अजय यादव कमलेश यादव, रोहित, मधुर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्मान

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वैसाखी के पर्व पर प्रबंधन कमेटी गुरुद्वारा, जी-ब्लॉक कविनगर में विधायक संजीव शर्मा को कृपाण व सरोपा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रविन्दर सिंह जौली, सरदार एस पी सिंह, इकबाल सिंह सोढ़ी, धर्मेंद्र सिंह सोहल, गगन सिंह अरोड़ा, रुपिन्दर सिंह, अजय चोपड़ा, महिम गुप्ता, गुरपाल सिंह, जसप्रीत सिंह, एस सी धींगरा, ज्ञानी राजेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

चिन्टू जी

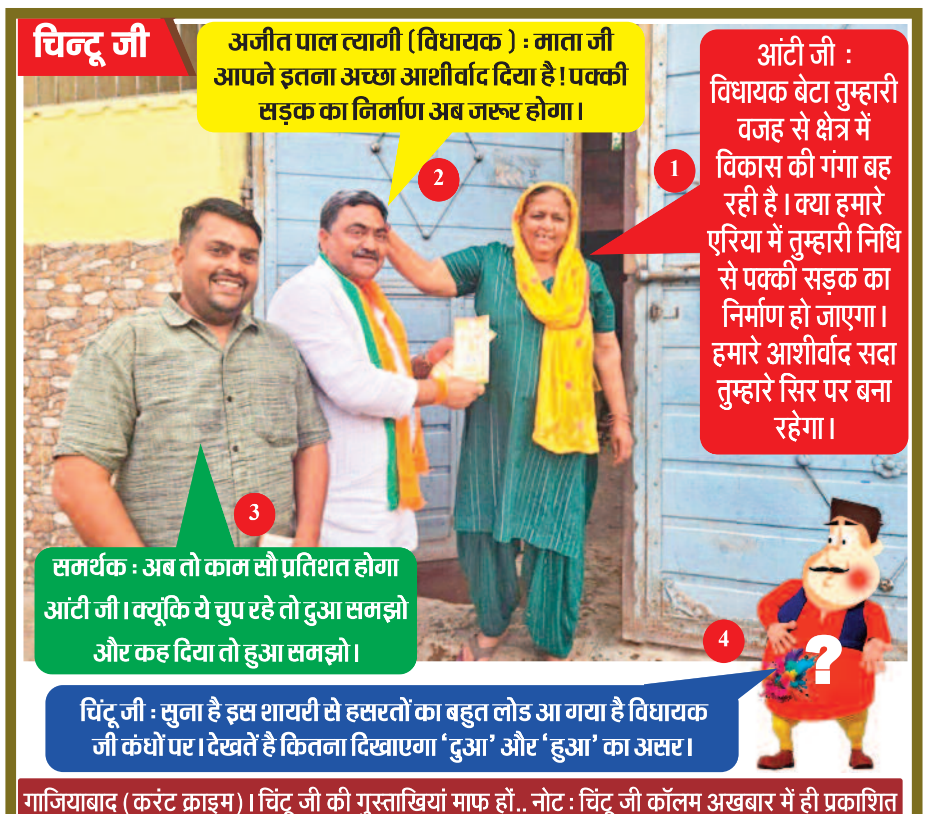

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मीठे वाले मैम्बर त्यागी नहीं करते हैं किसी को भी निराश? वो नमस्ते भी सबसे करते हैं ना जाने कौन सी है इसके पीछे उनकी आस? सुना है आजकल पंचायत वाले ऑफिस पर वो नियमित रूप से कर रहे हैं नीबूं पानी की सप्लाई? कहने वाले ने कहा हम वैसे ही नहीं कर रहे हैं? ये नजारा हमने कई बार देखा है भाई? भैया और भाभी मां को वो इस अदा से कर रहे हैं खुश? राजनीति कुछ इस तरह से भी होती है पुश?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम बैठे थे पहलवान के समर्थक के नजदीक? हमने करनी चाही समर्थक से पहलवान की दर्द-ए-दिल वाली शायदी की तस्दीक? समर्थक ने कहा हमारे रेस्लर ने इस बार ये ठाना है? वो तब तक लिख-लिख कर ताने मारते रहेंगे? जब तक नहीं हो जाते हैं विशेष लोक परेशान? हमें पता है वो संगठन से रिटायर हो चुके हैं? अब उनका रह गया है एक मात्र ये ही वाला काम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के कसाना जी दो सफल कार्यक्रम कराकर इस वक्त चेहरे पर लेकर घूम रहे हैं मुस्कान? दिल को तसल्ली दे रहे हैं कि उम्मीद के मुताबिक हो गया है हमारा काम? जिस पद पर होना चाह रहे थे हम, उस पर होंगे अब विराजमान? कहने वाले ने कहा कसाना जी अभी थोड़ा जल्दी में हैं? क्योंकि गागर में जो सागर भरा हुआ है? उसको पार करना नहीं है आसान? वो तो अभी से एक्टिव नजर आ रहे हैं? नागर तो सालों से भगवा योद्धा के साथ एक्टिव हैं श्रीमान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे इन्दिराजी वाले कार्यक्रम में मौजूद? यहां पर माईक हाथ में लिए मजबूत नजर आ रहा था भगवा मीत जी का वजूद? माईक से वो लूट रहे थे लगातार ताली? मगर हमने देखा एक झटके में मिस्टर जैन ने कर दिया उनका हाथ खाली? ले लिया उनसे वापस माईक? इस घटना के बाद शांति से मीत जी पीछे कुर्सियों पर जाकर बैठ गये? देखने वाले देख रहे थे ये पूरी आईस-पाईस?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम संगठन के लोग हैं? हमें कार्यक्रम को सफल बनाने में बहुत मजा आता है यार? मगर हमें दिक्कत तब होती है, जब इन कार्यक्रमों में नहीं होते हैं पार्टी के सिम्बल पर पार्षद बने चेहरों के दीदार? कहने वाले ने कहा हम थे इन्दिराजी वाले भगवा कार्यक्रम में मौजूद? हमने देखा यहां संगठन के चेहरे तो बहुत मेहनत कर रहे थे? मगर चार पार्षदों की उपस्थिति का नहीं दिख रहा था सबूत? कहने वाले ने कहा टिकट होने के बाद ना जाने सक्रियता को लेकर क्यों उड़ जाता है ऐसे चेहरों का फ्यूज?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि आजकल सोशल मीडिया भी कराती है किसी भी नेता की लोकप्रियता का एहसास? हमने जब चोटी वाले भगवा संदीप त्यागी के बर्थडे की पोस्ट को लगातार फेसबुक पर ट्रॉल होते हुए देखा? तो बढ़ गया हमारा विश्वास? हमने देखा बड़े बड़े नेताओं के नहीं डलते हैं इतने पोस्ट? जितना पार्टी के लोग कर रहे थे संदीप त्यागी की पोस्ट को होस्ट? 300 से ऊपर की लोगों ने की उनकी पास्ट शेयर? इससे फर्स्ट हो गई इस युवा चेहरे की सक्रियता? पता चला ये सब की करते हैं केयर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब तक भगवा लक्ष्मण दिखाई देंगे भगवा राम के साथ? तब तक हमें उम्मीद है कि उनका जारी रहेगा वनवास? हमने देखा भगवा कमांडर के कार्यकाल में भी भगवा राम से उनकी मोहब्बत ने कराई उनको वनवास वाली फीलिंग? भगवा योद्धा के कार्यकाल में भी हमें इस मोहब्बत की वजह से मिलती नहीं दिख रही है हीलिंग? कहने वाले ने कहा वो तीनों एक साथ महान थे? जरूरी नहीं है तीनों की एक सी रही हो उस समय एक दूसरे को लेकर पॉजिटिव फीलिंग?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम क्रासिंग वाले एरिया की मैडम राय को बिना मांगे देना चाहते हैं एक राय? अब इस राय को वो स्वीकार करें या ना करें, ये उनके ऊपर डिपेंड है? मगर उनकी कई पोस्ट हमने की अटेंड हैं? हमने देखा वो भावुक होकर कई पोस्ट पर करती हैं अपनी प्रतिक्रिया दर्ज? खा-मो -खा में इस बात से बढ़ता है विचारों का मर्ज? कहने वाले ने कहा वो अगर इस वक्त ज्यादा क्रिया पर प्रतिक्रिया का ना दें ज्यादा ध्यान? तो वो पा लेंगी राजनीति में बड़ा मुकाम? वो पार्टी के सांसद, विधायक और बड़े नेताओं की पोस्ट पर भी डालें नजर? वो भी कोई क्रिया पर प्रतिक्रिया नहीं देते? मगर मजबूत रहता है उनका असर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा मित्तल ने कर दिया ये स्पष्ट? नहीं है उनकी संगठन में जाने की योजना? वो इस बारे में सोचते ही नहीं है? इसलिए नहीं होता है उनको कोई भी कष्ट? कहने वाले ने कहा हम देख रहे हैं भगवा मित्तल आज कल खूब नजर आते हैं भगवा कमांडर के साथ? यहीं पर दिख रहा है उनकी मोहब्बत का एहसास? वो दे रहे हैं संदेश, सम्बंधों से बढ़ कर उनके लिए नहीं है राजनीति? वो जिसके हैं, रहते हैं उसी के साथ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के विधायक जी के बारे में एक बात बताई जाती है खास? जो भी उनके सम्पर्क में आता है वो हो जाता है उनका खास? हम देख रहे हैं इस वक्त गुर्जर बिरादरी पर बरस रहा है विशेष वाला प्यार? घर भी इसी बिरादरी वाले से लिया? ऑफिस भी इसी बिरादरी के दूसरे ब्रदर ने दिया है किराये पर यार? आखिर कहां है किसी से छुपा है इनका पहलवान से प्यार? सुना है एक युवा गुर्जर चेहरा भी होता है इनके साथ सवार? गागर में सागर भरने वाले नागर की क्या बात करें? वो भले ही खुलकर कुछ ना कहते हों? भगवा कमांडर को देखते ही आ जाती है उनके चेहरे पर भी बहार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

Vibhu Bansal
33m
आज हापुड़ में भाजपा जिला कोषाध्यक्ष श्री कपिल SM जी द्वारा श्याम बाबा कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्री संजीव सिक्का जी,
क्षेत्रीय महामंत्री श्री विकास अग्रवाल जी, जिला पंचायत अध्यक्ष पति श्री प्रमोद नागर जी, सांसद प्रतिनिधि श्री अशोक बबली जी, श्री विनोद गुप्ता जी,जिला महामंत्री श्री प्रफुल्ल सारस्वत जी, श्री पुनीत गोयल जी, जिला उपाध्यक्ष श्री श्यामेंद्र त्यागी जी,गढ़ नगर पालिका अध्यक्ष श्री राकेश बजरंगी जी, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री मनोज बाल्मिकी जी के साथ उपस्थित रहा।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पिलखुवा नगर पालिका अध्यक्ष विभु बंसल हमेशा से राजनीति के अलावा सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में भी लगातार अपनी भागीदारी रखते हैं। हापुड़ में भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष के यहां घाट श्री श्याम बाबा संध्या का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भाजपा के कई पदाधिकारी भी शामिल हुए। पिलखवा नगर पालिका अध्यक्ष विभु बंसल भी इस धार्मिक आयोजन में पहुंचे और उन्होंने इन पलों को फेसबुक पर सजा भी किया। अध्यक्ष विभु बंसल की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।